RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

मातम में बदली शादी की खुशियां

हल्दी रस्म के दौरान कुएं में गिरने से बच्चों सहित 13 की मौत, पीएम-सीएम ने जताया शोक

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में बुधवार की रात में दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। हादसे के बाद शादी समारोह की खुशियों में मातम पसर गया। हर तरफ चीख-पुकार मची थी। अफरातफरी मची थी। अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, मृतकों में महिलाएं और बच्चियां शामिल हैं। कई लोग घायल भी हुए हैं। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। नेबुआ नौरंगिया थाना इलाके के नौरंगिया गांव में वैवाहिक कार्यक्रम में रस्म के दौरान कुएं का स्लैब टूटने से यह दर्दनाक हादसा हुआ। बुधवार की रात हल्दी के मटकोड़ की रस्म चल रही थी। इस दौरान एक कुएं पर महिलाए और बच्चियां कुएं पर खड़ी हो गईं, अचानक कुएं का स्लैब टूट गया और 25 से अधिक महिलाएं, युवतियां व बच्चे भरभराकर कुएं में गिर गए। घटना के बाद गांव में मातम छा गया। शादी वाले घर में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस आई और आसपास के लोगों के साथ मिलकर सबको कुएं से निकाला। गांव से जिला अस्पताल तक हाहाकार मचा रहा।

जानकारी के मुताबिक, नौरंगिया गांव के स्कूल टोला निवासी परमेश्वर कुशवाहा के बेटे अमित कुशवाहा के विवाह से पहले बुधवार देर रात हल्दी की रस्म अदा की जा रही थी। घर से करीब 100 मीटर दूर स्थित कुएं के सामने मटकोड़ (विवाह के पहले की रस्म) का कार्यक्रम चल रहा था। जिस कुएं के पास कार्यक्रम चल रहा था, उसे आरसीसी स्लैब बनाकर बंद किया गया था। रस्म के दौरान बड़ी संख्या में महिला, युवती व बच्चियां कुएं पर बने स्लैब पर जाकर खड़े हो गए।

स्लैब अचानक टूट गया और उसपर खड़ी महिला, युवतियां व बच्चियां कुएं में समा गईं। कुआं काफी गहरा है। पानी भी भरा था। इस घटना के बाद चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने राहत-बचाव शुरू किया, लेकिन अंधेरा होने की वजह से कोई खास सफलता नहीं मिल सकी। इस बीच किसी व्यक्ति ने घटना की सूचना पुलिस को दी। दल-बल के साथ आए पुलिसकर्मियों ने राहत-बचाव कार्य तेज किया।

जिन लोगों को कुएं से बाहर निकाला गया, उन सबको जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने परीक्षण किया और 13 लोगों को मृत घोषित कर दिया। सबके शव जिला अस्पताल की मोर्चरी के पास रखा गया है। यह देखकर हर कोई रोने लगा। एक साथ 13 शव देखकर सबकी रूह कांप गई। बताया जा रहा है कि इस कुएं को हादसे के डर से करीब 10 साल पहले स्लैब बनाकर पाट दिया था। अब स्लैब पर अधिक भीड़ होने की वजह से टूट गए जिससे यह दिल दहला देने वाला हादसा हो गया।

पीएम मोदी ने जताई गहरी संवेदना

पीएम मोदी ने कुशीनगर हादसे में जाान गंवाने वाले पीड़ितों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है। उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में हुआ हादसा हृदयविदारक है। इसमें जिन लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है, उनके परिजनों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन हर संभव मदद में जुटा है।

सीएम ने दुर्घटना पर शोक जताया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद कुशीनगर के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में कुएं में गिरने की दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर बचाव व राहत कार्य संचालित करने तथा हादसे में घायल लोगों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं।

गिद्धराज जटायु के वंशजों का होगा संरक्षण, दुर्ग जिले में बनेगा वल्चर रेस्टारेंट

फारेस्ट-रेवेन्यू की टीम ने किया सर्वे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। देश में गिद्ध पक्षियों की प्रजाति संकट में है और यह विलुप्ति की कगार पर हैं। पक्षी प्रेमियों के लिए यह अच्छी खबर हो सकती है कि कुछ सालों से दुर्ग जिले के धमधा ब्लॉक में गिद्धों की इजीप्शियन प्रजाति यानी इजीप्शियन वल्चर को देखा गया है। ये बड़े पेड़ों में घोंसला बनाकर रह रहे हैं। इस प्रजाति के संरक्षण और संवर्धन के लिए छत्तीसगढ़ शासन ने पहल शुरू कर दी है। पक्षियों के लिए खास क्षेत्र यानी वल्चर रेस्टारेंट बनाया जाएगा।

दुर्ग कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे और डीएफओ धम्मशील गणवीर ने इजीप्शियन वल्चर के संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए इनके बसाहट वाले क्षेत्र में कंजर्वेशन के लिए संरक्षित क्षेत्र बनाने जगह चिन्हांकित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए फरेस्ट और राजस्व की संयुक्त टीम ने जगह का सर्वे भी किया। डीएफओ गणवीर ने बताया कि इजीप्शियन वल्चर की प्रजाति हमारे यहां देखी जा रही है। यह दुर्लभ प्रजाति है और इसके संरक्षण की जरूरत है। इसके लिए एक खास क्षेत्र बनाया जाएगा, जो वल्चर रेस्टारेंट की तरह होगा। गिद्ध मृतभक्षी होते हैं। मृत जानवरों की लाशें यहीं लाई जाएंगी। इस क्षेत्र में ऐसे पौधे लगाये जाएंगे जो गिद्धों की बसाहट के अनुकूल होंगे। गिद्ध पीपल जैसे ऊंचे पेड़ों में बसाहट बनाते हैं। धम्मशील गणवीर ने बताया कि वल्चर रेस्टारेंट का कांसेप्ट लाने से यहां भी दुर्लभ प्रजाति का संरक्षण संभव है।

पाटन में भी देखे गए इजीप्शियन वल्चर

पक्षी विशेषज्ञ राजू वर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष पाटन के अचानकपुर में भी इजीप्शियन वल्चर देखा गया था। उन्होंने बताया कि पाटन के सांकरा और बेलौदी में प्रवासी पक्षियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यहां लगभग 2 हजार माइग्रेटरी बर्ड स्पॉट किए गए हैं। 2 फरवरी को यहां वर्ल्ड वेटलैंड डे मनाया गया। राजू वर्मा बताते हैं कि इजीप्शियन वल्चर के गर्दन में सफेद बाल होते हैं। आकार थोड़ा छोटा होता है। ब्रीडिंग के वक्त इनकी गर्दन थोड़ी सी नारंगी हो जाती है। बता दें कि पाटन इलाका मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का विधानसभा क्षेत्र और गृह क्षेत्र है।

भारत में गिद्धों की 9 प्रजातियां

डीएफओ धम्मशील गणवीर ने बताया कि कंजर्वेशन वाले क्षेत्र में सभी सुविधाओं का विकसित किया जाएगा, जो गिद्धों की बसाहट के लिए उपयोगी होगी। उन्होंने बताया कि भारत में गिद्धों की 9 प्रजातियां हैं, जिसमें से इजीप्शियन वल्चर एक प्रजाति है। यह छोटे आकार के गिद्ध होते हैं। भारत में पहले बड़ी संख्या में गिद्ध पाये जाते थे, लेकिन दशकभर में इनकी संख्या में तेजी से गिरावट आई है। इसका कारण था डाइक्लोफिनाक दवाई (औषधि) जो मवेशियों को दी जाती थी। मवेशियों के मरने के बाद जब गिद्ध मृत पशुओं के गुर्दे खाते थे तो यह दवाई उनके पेट में चली जाती थी और जानलेवा होती थी। देशभर में इस दवाई पर प्रतिबंध लगा दिया गया, लेकिन गिद्धों की प्रजाति तब तक काफी कम हो चुकी थी।

गंगाजल रामेश्वरम में अर्पित करते हैं

पक्षी विशेषज्ञ अनुभव शर्मा ने बताया कि भारत में पाये जाने वाले इजीप्शियन वल्चर दो प्रकार के होते हैं। एक तो स्थायी रूप से रहने वाले और दूसरे माइग्रेटरी। भारतीय साहित्य में इनके बारे में दिलचस्प वर्णन है। इजीप्शियन वल्चर को संस्कृत साहित्य में शकुंत कहा गया है। अभिज्ञान शाकुंतलम में ऋषि कण्व को शकुंतला ऐसे ही शकुंत पक्षी के वन में प्राप्त हुई थी, जिसकी वजह से उन्होंने उसका नामकरण शकुंतला रख दिया। इसी शकुंतला के बेटे भरत से हमारे देश का नाम भारत पड़ा। माइग्रेटरी शकुंत पक्षी हिमालय से उड़ान भर कर रामेश्वरम तक पहुंचते हैं। इनके बारे में अनुश्रुति है कि ये शिव भक्त होते हैं और गंगा जल हिमालय से लेकर रामेश्वरम में भगवान शिव को चढ़ाते हैं। हमारी अनुश्रुतियों में जटायु जैसे गिद्ध पात्र हैं।

खास-खबर

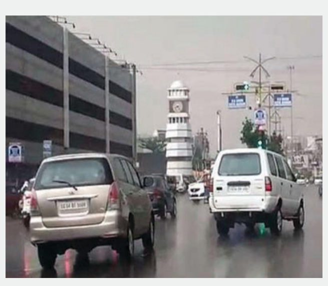

रायपुर समेत प्रदेश के कई शहरों में बारिश..इस वजह से बदला मौसम

रायपुर। रायपुर समेत प्रदेश के शहरों में आज सुबह बारिश हुई। अभी भी छिटपुट पानी गिर रहा है। हालांकि बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में उत्तरी हवा का असर कम होने की वजह से मैदानी इलाके ही नहीं, जंगल-पहाड़ों में भी ठंड कम होने लगी है। दरअसल, रायपुर समेत दक्षिणी और मध्य छत्तीसगढ़ में खाड़ी की ओर से नम हवा आई। हल्के बादलों के कारण रात में सरगुजा-बिलासपुर के कुछ इलाकों को छोड़कर बाकी जगह ठंड काफी कम हो गई।

मौसम विशेषज्ञों ने अगले दो-तीन दिन तक उत्तर छत्तीसगढ़ में उत्तर से व दक्षिण छत्तीसगढ़ में दक्षिण से हवा आने के आसार जताए जा रहे थे। इससे सरगुजा व बिलासपुर संभाग के जंगल-पहाड़ों में रात का तापमान 10 डिग्री के आसपास रहेगा, लेकिन मध्य और दक्षिणी छत्तीसगढ़ में रात का पारा चढ़ जाएगा और ठंड बहुत कम रहेगी। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बुधवार को रात का तापमान 2 डिग्री तक बढ़ गया। राजधानी में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री पर पहुंच गया, जो मंगलवार की तुलना में 1.2 डिग्री ज्यादा है।

अभी ठंड महसूस होती रहेगी

मौसम विज्ञान केंद्र लालपुर के मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा के अनुसार प्रदेश के उत्तरी भाग में ठंडी हवा से ठंड महसूस होती रहेगी। उधर, बस्तर संभाग में हिंद महासागर से हवा आएगी, इस कारण न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा।

किरायेदार थोड़ी हैं, हिस्सेदार हैं-मनीष तिवारी ने प्रियंका गांधी पर भी कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीनियर नेता और सांसद मनीष तिवारी ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को खारिज किया है। कांग्रेस पार्टी छोड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम कांग्रेस पार्टी में किराएदार थोड़ी हैं, हम हिस्सेदार हैं। तिवारी ने कहा, मैंने यह बात पहले भी कई बार कही है। हम कांग्रेस पार्टी में किराएदार थोड़ी हैं, हम हिस्सेदार हैं। अगर कोई धक्का देकर निकालेगा तो दूसरी बात है।

मनीष तिवारी ने कहा कि जहां तक हमारा सवाल है, हमने जिंदगी के 40 साल इस पार्टी को दिए हैं। हमारे परिवार ने इस देश की एकता और अखंडता के लिए खून बहाया है। हम एक विचारात्मक सोच में विश्वास रखते हैं। ऐसे में अगर को धकेल के निकालना चाहे तो दूसरी बात है।

तिवारी बोले- पगड़ी पर नहीं होनी चाहिए राजनीति

इससे पहले बुधवार को लुधियाना में तिवारी ने पगड़ी को पंजाब की शान बताया था। उन्होंने कहा, ''पगड़ी पंजाब की शान है। इसलिए इसे पहनने पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।'' इस बयान पर जहां कुछ कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वह मोदी और केजरीवाल का जिक्र कर रहे हैं, जो मंच पर पगड़ी पहनते हैं। वहीं यह भी कहा गया कि तिवारी प्रियंका गांधी पर कटाक्ष कर रहे हैं।

प्रियंका ने कहा था- पगड़ी पहनने से कोई सरदार नहीं होता

प्रियंका ने मोदी और केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा था कि सिर्फ पगड़ी पहन लेने से कोई सरदार नहीं बन जाता। प्रियंका ने कहा, 'उनको बता दीजिए कि सिर्फ मंच पर पगड़ी पहन लेने से कोई सरदार नहीं बन जाता। उनको बता दीजिए कि कौन असली सरदार है। बताइए उनको कि इस पगड़ी में कठिन मेहनत और साहस बसता है। उनको बता दीजिए कि पंजाब, पंजाबियों से ताल्लुक रखता है और वो हीं इसे चलाएंगे।'

पाकिस्तान में तख्तापलट की आशंका, चुनाव से पहले सत्ता से बाहर होंगे इमरान खान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में इमरान खान सरकार की दिक्कतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। विपक्षी पार्टियां इमरान को सत्ता से बेदखल करने की हर संभव कोशिश कर रही हैं। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ में भी कई स्तर पर फूट पड़ी हुई है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि सेना से भी इमरान खान के संबंध ठीक नहीं चल रहे हैं। इन सभी मसलों को लेकर पाकिस्तान में भारत के पूर्व हाई कमिश्नर जी पार्थसारथी ने अपनी बात रखी है।

कर्ज के जाल में फंसता जा रहा है पाकिस्तान

ट्रिब्यून में पार्थसारथी ने लिखा है कि पूर्व आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हामिद गुल ने इमरान खान की एंट्री कराई है और यह सच है कि पाकिस्तान सेना के समर्थन से ही इमरान खान की सरकार चल रही है। उन्होंने तुर्की और मलेशिया जैसे देशों से बेहतर संबंध बनाने के लिए भारत, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से संबंध खराब कर लिए हैं। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान सरकार कर्ज के जाल में लगातार फंसती जा रही है। चीन पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर के नाम पर पाकिस्तान लापरवाही से कर्ज उठाए जा रहा है। इमरान खान सरकार के पास सबसे सख्त अंतरराष्ट्रीय कर्जदाता, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से दान के लिए लेनदारों द्वारा लगाई गई बढ़ती शर्तों को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

सैन्य तख्तापलट की आशंका?

पार्थसारथी ने लिखा है कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में जो भी किया अमेरिका उससे नाराज चल रहा है। और अब अफगानिस्तान और तालिबान के संबंध भी खराब होते जा रहे हैं। जो बाइडेन ने सत्ता में आने के बाद इमरान खान से बातचीत नहीं की है, यह दोनों देशों के बीच खराब संबंधों का सबसे बड़ा उदाहरण है।

मृतकों की संख्या में फिर इजाफा, संक्रमित मरीज भी 30 हजार के पार, सक्रिय मामले तीन लाख से अधिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बीते दिनों कोरोना से राहत मिलने के बाद एक बार फिर से मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। लगातार दो दिनों से संक्रमितों की संख्या भी 30 हजार से अधिक आ रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी गुरुवार के आंकड़े के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 30,757 मामले सामने आए हैं। इस दौरान 541 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार देश में अब 3.32 लाख (3,32,918) सक्रिय मामले बचे हैं। वहीं महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक स्वस्थ होने वाले कुल मरीजों की संख्या 4.19 करोड़ हो गई है। हालांकि राहत की बात यह है कि रोजाना संक्रमण दर घटकर 2.61 फीसदी पर आ गई है। देश में स्वस्थ होने की दर 98.03 फीसदी हो गई है।

इन पांच राज्यों के आंकड़े अभी भी परेशान करने वाले

देश में सबसे अधिक कोरोना संक्रमितों की संख्या केरल में है। यहां बीते 24 घंटों में कोरोना के 12,223 मामले मिले हैं। दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र है जहां कि 2,748 केस हैं। तीसरे स्थान पर कर्नाटक है जहां कि कोरोना के 1,894 मरीज मिले हैं। वहीं चौथे पर राजस्थान जहां 1,702 मामले हैं जबकि पांचवें पर मिजोरम है जहां 1571 लोग वायरस की चपेट में आए हैं।

कोरोना वैक्सीनेशन का आंकड़ा 174 करोड़ के पार

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देशभर में अब तक कोरोना वैक्सीन की 174 करोड़ से अधिक डोज दी जा चुकी हैं। पिछले 24 घंटों में कुल 34.75 लाख वैक्सीन डोज दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में कोरोना के 433 नए मरीज मिले, 24 घंटे में 4 की गई जान, पॉजिटिविटी दर 2 प्रतिशत से नीचे

छत्तीसगढ़ में कोरोना की तीसरी लहर का संक्रमण धीरे-धीरे कम हो रहा है। पॉजिटिविटी दर भी 2 प्रतिशत से नीचे है। बुधवार को प्रदेश में 433 नए केस मिले हैं, वहीं कोरोना से 4 लोगों की जान भी चली गई। राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 5 हजार से कम हो गई है। छत्तीसगढ़ में इस महामारी से अब तक 14 हजार 16 लोगों की जान जा चुकी है। संक्रमण घटते ही प्रदेश में राहतों का दौर भी शुरू हो गया है। स्वास्थ्य विभाग के राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को प्रदेश में 433 नए केस मिले हैं, जिसमें सबसे ज्यादा रायपुर में 63 नए संक्रमित मिले हैं। इसके बाद बिलासपुर में 40, बलरामपुर में 34, कोंडागांव में 28, सरगुजा 26, दुर्ग व राजनांदगांव में 24-24, मुंगेली में 20, बस्तर व बेमेतरा में 18-18, धमतरी में 17, कोरिया एवं कोरबा में 15-15, नारायणपुर में 13, जांजगीर-चांपा में 12 व रायगढ़ में 11 नए केस मिले हैं। प्रदेश के 11 जिलों में 1 से 10 के बीच मरीज मिले हैं। बड़ी संख्या में मरीजों के स्वस्थ होने से प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 4,803 हो गई है।

पॉजिटिविटी दर 1.82त्न से घटकर 1.37 प्रतिशत

बुधवार को 31 हजार 595 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें यह मरीज मिले हैं। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 1.82 प्रतिशत से घटकर 1.37 प्रतिशत हो गई है। कोरोना से बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, मुंगेली व जशपुर जिले में 1-1 की मौत हुई है। हॉस्पिटल से 46 लोग डिस्चार्ज हुए तो वहीं 1107 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या में कमी आई है। पॉजिटिविटी दर भी कम हो गई है।

निजी क्षेत्र में 75 फीसदी आरक्षण देने के कानून पर हाईकोर्ट की रोक को सुप्रीम कोर्ट ने किया रद्द

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा में स्थानीय उम्मीदवारों के लिए प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में 75 फीसदी आरक्षण प्रदान करने पर हरियाणा सरकार के कानून पर रोक लगाने वाले पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को एक महीने के भीतर इस मुद्दे पर फैसला करने के लिए कहा और राज्य सरकार को फिलहाल नियोक्ताओं के खिलाफ कोई कठोर कदम नहीं उठाने का निर्देश दिया है।

हरियाणा सरकार द्वारा निजी क्षेत्र की नौकरियों में प्रदेश के निवासियों को दिए गए 75 प्रतिशत आरक्षण पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने तीन फरवरी को रोक लगाई थी। फरीदाबाद इंडस्ट्रियल एसोसिएशन व अन्य ने हाईकोर्ट को बताया था कि निजी क्षेत्र में योग्यता और कौशल के अनुसार लोगों का चयन किया जाता है। यदि नियोक्ताओं से कर्मचारी को चुनने का अधिकार ले लिया जाएगा तो उद्योग कैसे आगे बढ़ सकेंगे। हरियाणा सरकार का 75 प्रतिशत आरक्षण का फैसला योग्य लोगों के साथ अन्याय है। यह कानून उन युवाओं के सांविधानिक अधिकारों का हनन है जो अपनी शिक्षा और योग्यता के आधार पर भारत के किसी भी हिस्से में नौकरी करने को स्वतंत्र हैं। याची ने कहा कि यह कानून योग्यता के बदले रिहायश के आधार पर निजी क्षेत्र में नौकरी पाने की पद्धति को शुरू करने का प्रयास है।

संपादकीय

सेल्फी के जोखिम

चलती ट्रेन के सामने खड़े होकर सेल्फी खींचने के दुस्साहस ने गुरुग्राम के चार युवकों की जान ले ली। 20 से 25 साल के ये नौजवान रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर मोबाइल से ऐसी सेल्फी खींच रहे थे कि उनके पीछे आती हुई ट्रेन दिखे। पीछे से आती अजमेर-सराय रोहिल्ला जनशताब्दी ट्रेन की अपनी रफ्तार थी और इसके पहले वे युवक फोटो खींचकर ट्रैक से पीछे हटते ट्रेन उनके ऊपर से गुजर चुकी थी। सेल्फी खींचते हुए जान गंवा देने का यह पहला मामला नहीं है। जोखिम भरी स्थितियों में सेल्फी खिंचवाते हुए जान दे देना अब पूरी दुनिया में दुर्घटनाओं की एक नई कैटेगरी बन चुका है। इसके ताजा अध्ययन तो उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन साल 2018 में जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन ऐंड प्राइमरी केयर ने सेल्फी को लेकर एक अध्ययन किया था। उसने पाया कि 2011 से 2017 के बीच पूरी दुनिया में 259 लोगों की जान सेल्फी लेते समय चली गई। दुर्भाग्य से, इनमें आधे से ज्यादा मामले भारत के ही हैं। उसके बाद रूस, अमेरिका और पाकिस्तान का नंबर आता है। यह अध्ययन अखबारों में छपी खबरों के आधार पर किया गया था, जिसका एक मतलब यह भी है कि ऐसी जानलेवा दुर्घटनाओं की वास्तविक संख्या कहीं ज्यादा हो सकती है। फिर, उन घटनाओं को हम नहीं जानते, जिनमें ऐसा जोखिम लेते हुए लोग बाल-बाल बचे होंगे या घायल हुए होंगे। भारत में सेल्फी दुर्घटनाएं इतनी ज्यादा क्यों होती हैं, इसे लेकर मनोवैज्ञानिकों ने कई अनुमान लगाए हैं। एक तो यह कहा जाता है कि स्मार्टफोन ने पहली बार हर खास-ओ-आम के हाथ में कैमरा उपलब्ध करा दिया है। जो तस्वीर पहले कुछ खास मौकों पर ही खींची जा सकती थी, उसे अब कोई किसी भी क्षण खींच सकता है। इसलिए भारत में मोबाइल कैमरे से फोटो खींचने का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। तकरीबन हर सार्वजनिक या निजी जगह पर, हर सार्वजनिक या निजी समारोह में लोग फोटो खींचते और सेल्फी लेते मिल जाएंगे। दूसरा कारण यह है कि स्मार्टफोन आगमन के बाद शुरू हुए सोशल मीडिया को दुनिया के जिन देशों ने तेजी से अपनाया, उनमें भारत भी शामिल है। पूरी दुनिया में जिसे सेल्फी की दीवानगी कहा जाता है, उसे दरअसल इस सोशल मीडिया ने ही बढ़ावा दिया है। यह ऐसा मीडिया है, जिससे करोड़ों लोग जुड़े हैं, जिनमें लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचने की एक स्पर्द्धा जैसी होती है। एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ में लोग अपनी अजूबी सेल्फी खींचने की कोशिश करते हैं और अक्सर इसके लिए किसी भी स्तर का जोखिम लेने को तैयार हो जाते हैं। इस समय यह पूरी दुनिया में चिंता का विषय है कि इस चलन को रोका कैसे जाए? ऑस्ट्रेलिया ने तो बाकायदा सेल्फी पर एक एडवाइजरी भी जारी की है। कई जगहों पर दुर्घटना की आशंका वाले इलाकों में चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। कुंभ के दौरान भी इस तरह के बोर्ड लगाए गए थे। भारत के पर्यटन मंत्रालय और मुंबई पुलिस ने ऐसी खतरे वाली जगहों की पहचान भी की है। एक सुझाव यह भी है कि जैसे समुद्र तटों पर सुरक्षा गार्ड होते हैं, वैसे ही गार्ड रेलवे स्टेशनों पर भी नियुक्त किए जाएं। इस मामले में जागरूकता पैदा करना और ऐसे विषय को बच्चों के पाठ्यक्रम में शामिल करने का तरीका भी अपनाया जा सकता है।

> जो तस्वीर पहले कुछ खास मौकों पर ही खींची जा सकती थी, उसे अब कोई किसी भी क्षण खींच सकता है। इसलिए भारत में मोबाइल कैमरे से फोटो खींचने का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। तकरीबन हर सार्वजनिक या निजी जगह पर, हर सार्वजनिक या निजी समारोह में लोग फोटो खींचते और सेल्फी लेते मिल जाएंगे। दूसरा कारण यह है कि स्मार्टफोन आगमन के बाद शुरू हुए सोशल मीडिया को दुनिया के जिन देशों ने तेजी से अपनाया, उनमें भारत भी शामिल है।

> वह चंद ऐसे संगीतकारों में शामिल रहे हैं, जिन्होंने जैज, पॉप आदि सभी शैली के संगीत को भावपूर्ण बनाकर अपने खास भारतीय ढंग से पेश किया। 1980-90 के दशक में उन्होंने डिस्को संगीत घर-घर में पहुंचा दिया था। एस डी बर्मन, हेमंत कुमार, पंचम दा, अनिल बिस्वास, बप्पी दा जैसे कलाकारों से जो रेंज बनती है, उसी में तो हमें आनंद आता है। बप्पी दा ने इसमें अपनी धारा जोड़ी।

'याद आ रहा है तेरा प्यार...'

प्रयाग शुक्ल, कवि और कला मर्मज्ञ

भारतीय सिनेमा-संगीत जगत में क्या शोक काल चल रहा है? युवा हृदय को छूने वाले एक और गायक, संगीतकार बप्पी लाहिड़ी चले गए। हिंदी फिल्म उद्योग में एक से बढ़कर एक प्रतिभाशाली कलाकार हुए हैं। उन्होंने इतना हिल-मिलकर काम किया है कि उनमें से कोई एक चला जाए, तो लगता है, कड़ी टूट गई। पिछले दिनों लता मंगेशकर गईं और अब बप्पी लाहिड़ी। आज दुख इसलिए भी गाढ़ा है, क्योंकि ऐसे दिग्गज कलाकारों के बनाए ताने-बाने के हम मुरीद रहे हैं। इन सबने हमारे लिए, हमारे समाज के लिए मिलकर जो रचा है, वही तो फिल्म उद्योग को वह मुकाम देता है, जहां से समाज अच्छे मनोरंजन की उम्मीद लगा सकता है।

अनेक शानदार गीतों में अपना स्वर और संगीत संजो गए बप्पी दा ऐसी जिंदादिल शख्सियत थे, जिनको देखकर हर किसी को यही लगता कि काश, एक बार उनसे मुलाकात हो जाए! उनकी सरलता और सादगी दूर से ही आकर्षित करती थीं। वह जो बोल रहे होते, लगता था कि मन से कह रहे हैं। बंगाल और भारत के एक रत्न बप्पी दा के बोलने, गाने का अंदाज अपनी माटी से जुड़ा था, जैसे याद आ रहा है तेरा प्यार । उनके अंदाज ने अनेक संगीतकारों को प्रभावित किया। खनक के साथ खुलकर गाना और थिरकने वाला संगीत हम कैसे भूल सकते हैं? कई कार्यक्रमों और संगीत की दुनिया में हमने उन्हें लगातार सक्रिय देखा है और उनके बारे में तमाम संचार माध्यमों द्वारा पढ़ते-सुनते रहे हैं। इस लिहाज से फिल्म उद्योग को दूसरे कला माध्यमों से बेहतर सुविधा हासिल है, क्योंकि इसकी खबरें लगातार हमारी नजरों से गुजरती रहती हैं। इसके कामकाज सीधे जनता से जुड़े होते हैं। यही वजह है कि अभिनेता और अभिनेत्रियों को दर्शक जितना पसंद करते हैं, परदे के पीछे काम करने वाले निर्देशक, संगीतकार, गीतकार आदि को भी उतना ही प्यार देते हैं। यह उद्योग ऐसी कड़ियों से बना है, जो बिल्कुल बुना हुआ लगता है।

बप्पी दा की जो छवि दिलो-दिमाग में बसी रहेगी, वह आम संगीतकारों से बिल्कुल अलग है। वह रंग-बिरंगे कपड़े पहनते थे। उनके गले में सोने के हार होते। देखा जाए, तो पुरुषों के गले में आभूषण इतने अच्छे नहीं लगते, लेकिन बप्पी दा पर हार खलते नहीं थे। उनकी प्रस्तुति मनमोहक होती। न सिर्फ अपने डील-डौल के कारण, बल्कि कामकाज के कारण भी, वह हर मंच पर भीड़ से अलग प्यारे दिखते थे। जल्दबाजी में भी वह कुछ न कुछ सुनने लायक रचते रहते थे और सुनाते भी रहते थे।

कह सकते हैं कि पीढ़ियों में जब परिवर्तन आता है, तो उसे दूसरी तरह का संगीत चाहिए। इसके कई कारण हो सकते हैं। पश्चिम से यदि कुछ चीजें हमारे यहां आती हैं, तो उनमें बुराई नहीं है। हम सब बेशक देश के हैं, लेकिन हम पृथ्वी पुत्र भी हैं। बप्पी दा ने अपने संगीत से इस पंक्ति को चरितार्थ किया। वह चंद ऐसे संगीतकारों में शामिल रहे हैं, जिन्होंने जैज, पॉप आदि सभी शैली के संगीत को भावपूर्ण बनाकर अपने खास भारतीय ढंग से पेश किया। 1980-90 के दशक में उन्होंने डिस्को संगीत घर-घर में पहुंचा दिया था। एस डी बर्मन, हेमंत कुमार, पंचम दा, अनिल बिस्वास, बप्पी दा जैसे कलाकारों से जो रेंज बनती है, उसी में तो हमें आनंद आता है। बप्पी दा ने इसमें अपनी धारा जोड़ी। इसीलिए वे इतने लोकप्रिय हुए कि आज उनके जाने पर लोग यूं गमगीन दिख रहे हैं।

बप्पी दा ने कई पीढ़ियां देखीं, पर वह अपनी जगह बने रहे। उन्होंने जितने प्रयोग किए, वे बिना तकनीकी सावधानी से नहीं हो सकते थे। जब तक उन चीजों के बारे में आप बहुत कुछ न जानते हों, तब तक वे आपको आकर्षित नहीं कर सकतीं। बप्पी लाहिड़ी ने सबको आत्मसात कर लिया था। अजीब सी बात लग सकती है कि इस तरह का संगीत रचने वाला व्यक्ति इतना सुसंस्कृत भी था। कोई पूछ सकता है कि बंगाल की संस्कृति से निकलकर एक युवा इस तरह एक बड़े फलक पर कैसे पहुंच गया? मगर असलियत में यह खूबी बंगाल की संस्कृति से ज्यादा अलोकेश लाहिड़ी में थी, जो नई धारा रचकर बप्पी लाहिड़ी बन पाए। हां, बंगाल उन संस्कृतियों में शामिल जरूर रहा है, जो हमेशा नई व युवामुखी धारा को अपनाने के लिए तैयार रहता है।

दरअसल, बंगाल में लोकसंगीत के प्रति जबर्दस्त आकर्षण रहा है। यहां मांझी गीत, भटियाली गीतों की संस्कृति रही है। इनमें ऊंचे स्वरों के प्रति आकर्षण रहा है। संभव है कि बंगाल में रहने वाला व्यक्ति शायद अपने गृह राज्य में वह काम न कर सके, जो वह बंबई (अब मुंबई) जैसे महानगर में कर सकता है। बप्पी दा की भी कल्पना बिना बंबई के नहीं हो सकती। टॉलीवुड (अब यह शब्द तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के लिए उपयोग किया जाता है, पर पहले बांग्ला सिनेमा के लिए इसका उपयोग होता था) और बॉलीवुड में फर्क रहा है। साफ है, बप्पी लाहिड़ी जैसी शख्सियत के गढ़ने में कई तरह की तरंगें काम करती हैं। वही लोग ऐसा मुकाम हासिल कर पाते हैं, जो अलग हों और प्रयोगशील। बप्पी दा ऐसा करने में सफल रहे, इसलिए वह बहुत याद आएंगे।

बप्पी दा के साथ 'डिस्को' संगीत नत्थी है। 'आई एम ए डिस्को डांसर' एक तरह का 'आइकॉनिक सॉन्ग' है। न भूलने वाला। कुछ चीज अगर नहीं भूलने वाली बन जाती है, तो वह अपने आप में उस व्यक्ति की सिद्धि है। आज भी 'आई एम ए डिस्को डांसर' की धुन कहां नहीं बजती! युवा पीढ़ी जिन जगहों पर ज्यादा जाती है, वहां यह गीत विशेष तौर पर बजाया जाता है। उनकी यह रचना एक मोड़ पर जाकर परिवर्तनकारी साबित हुई। बप्पी दा निस्संदेह, ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने बदलाव किया और लोगों ने उसे हाथों हाथ स्वीकार भी किया। जनप्रियता और लोकप्रियता के अपने कारण होते हैं। यह मनुष्य के स्वभाव में ही है कि वह नई चीज चाहता है। न सिर्फ बप्पी दा, बल्कि तमाम सफल लोगों ने अलग मुकाम तभी हासिल किया, जब एक मोड़ पर आकर उन्होंने कुछ ऐसा किया कि लगा, कोई दूसरा मोड़ शुरू हो गया है। संगीत सिद्ध और हरफनमौला लोग ही लोकप्रिय संगीत को दिशा देते आए हैं। बप्पी दा ऐसे ही सिद्ध गायक-संगीतकार थे।

यह दुखद है कि जब बप्पी लाहिड़ी के निधन की सूचना मिली, उसके चंद घंटे पहले मशहूर बांग्ला गायिका संध्या मुखोपाध्याय के देहांत की भी खबर आई। दोनों हमेशा दिलों में जीवित रहेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जब मतदान के साथ नहीं जुड़ी साक्षरता की शर्त

उमेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार

संविधान सभा में जब मतदान के अधिकार और चुनावों की चर्चा हो रही थी, तो पूर्वी पंजाब से चुने हुए सदस्य ठाकुर दास भार्गव ने एक सुझाव रखा था, जिसे संविधान सभा में खारिज कर दिया गया था। उनका सुझाव था कि समान और वयस्क मतदान के अधिकार में एक शर्त जोड़ दी जानी चाहिए। वह शर्त थी साक्षरता की। तब भारत की जनसंख्या 33 करोड़ थी और संविधान सभा में अंदाज लगाया गया था कि समान और वयस्क मतदाता के आधार पर तकरीबन 12 करोड़ मतदाता होते। ठाकुर दास भार्गव का सुझाव बेहतर होते हुए भी इसलिए गिर गया, क्योंकि तब भारत की साक्षरता दर महज 12 फीसदी थी। मतदान के अधिकार पर चर्चा करते हुए संविधान सभा के अधिकांश सदस्यों को उम्मीद थी कि भविष्य में भारतीय लोकतंत्र संविधान प्रदत्त समानता आधारित समाज को बनाने की ओर आगे बढ़ता जाएगा। लेकिन क्या यह उम्मीद पूरी हो पाई है?

चुनाव-दर-चुनाव भारत में जाति, धर्म, क्षेत्र की बुनियाद लगातार मजबूत होती जा रही है। जाति, धर्म और क्षेत्र की संकुचित मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए अक्सर राजनीतिक दल सवालों के घेरे में रहते हैं, लेकिन इस सोच में ही बुनियादी खोट है। चाहे जिस भी पक्ष की राजनीति हो, वह महज दिखावे के लिए समाज सेवा रह गई है। आज की राजनीति की निगाह हर पल सत्ता पर लगी रहती है। अब तो राजनीति ने समाज सेवा के लिए सत्ता को ही साधन मान लिया है। वैसे व्यवस्था भी वैसी ही हो गई है, इसलिए धर्म, राजनीति और क्षेत्र के संकुचित वाद को बढ़ावा देना और उसके जरिए सत्ता की आंख पर निशाना साधना राजनीतिक दलों की दिनचर्या हो गई है। लेकिन अफसोस की बात यह है कि देश का बौद्धिक समाज व मीडिया भी चुनाव-दर-चुनाव इसी सोच के आधार पर बहसें करता है।

लोकतंत्र की बुनियाद नागरिक हैं, जिनमें से एक बड़े हिस्से के पास मतदान का अधिकार होता है, लेकिन दुर्भाग्यवश चुनाव को लेकर होने वाले विमर्शों में मतदाता को सिर्फ एक उपादान, यानी जरिया भर मान लिया गया है और उससे उम्मीद की जाती है कि वह जाति, धर्म और क्षेत्र को बढ़ावा देने वाली राजनीति के साथ अपनी जाति, धर्म व क्षेत्रवादी सोच के साथ जुड़े और वोट दे। बेशक, सर्वोच्च न्यायालय ने जाति और धर्म की खुलेआम चर्चा पर रोक लगा रखी है, लेकिन इन पर भी चर्चा के लिए राजनीतिक दल प्रकारांतर से राह निकाल ही लेते हैं। ऐसे में, सवाल यह है कि जाति, धर्म और क्षेत्रवाद की घुट्टी पिए तंत्र से बनने वाली सरकार और उसकी बुनियाद समानता आधारित समाज की उम्मीद कैसे कर सकती हैं? स्पष्ट है, चुने गए प्रतिनिधि या दल के सामने अपने बुनियादी मतदाता आधार की आकांक्षाओं को पूरा करने का दबाव हमेशा रहेगा।

साल 2011 से चुनाव आयोग के स्थापना दिवस 25 जनवरी को मतदाता दिवस मनाया जाने लगा है। मतदाता दिवस की घोषणा करते वक्त तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने इसका लक्ष्य 'समावेशी' और 'गुणात्मक भागीदारी' के साथ ही 'कोई मतदाता पीछे न छूटे' बताया था। लेकिन आयोग के पूरे अभियान में सिर्फ दूसरा उद्देश्य ही हावी नजर आता है। मतदान में गुणात्मक भागीदारी की बात लगातार पीछे छूटती रहती है।

सवाल हो सकता है कि गुणात्मक भागीदारी क्या होगी? गुणात्मक भागीदारी के लिए पहली शर्त है कि मतदाता ही गुणवान हो। संविधान सभा के सदस्य ठाकुर दास भार्गव ने इसी गुणात्मकता की खोज में साक्षरता की शर्त का सुझाव दिया था। अव्वल तो होना यह चाहिए कि मतदाताओं को गुणात्मक रूप से जागरूक बनाने के लिए लगातार कोशिशें हों। मतदाताओं को यह बताने की कोशिश हो कि जाति, धर्म या क्षेत्रवाद जैसी संकुचित मानसिकता की बुनियाद पर वोट देने से संविधान के व्यापक उद्देश्यों को हासिल नहीं किया जा सकता। उम्मीद चुनाव आयोग से ही की जानी चाहिए। चुनाव आयोग को अब चाहिए कि वह मतदाता को गुणात्मक स्तर पर प्रशिक्षित करने के लिए अभियान चलाए। ऐसी कोशिश लगातार चलती रहेगी, तो मतदाताओं का मानस विस्तारित होगा, और एक बार वह विस्तारित हो गया, तो राजनीतिक दलों को भी बदलना पड़ेगा। तब सिर्फ और सिर्फ विकास व समानता की बात होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

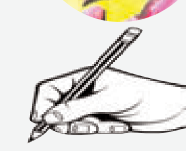

किसी को खुशी मिलती,
किसी को जलाने में,
नीचा दिखाने में और
किसी को, खुशी मिलती
हैं, भगवान के चरणों में
नतमस्तक होने में।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

खास खबर

सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग प्रतिबंधित

जगदलपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रजत बंसल ने जिले में आयोजित होने वाली शिक्षा सत्र 2021-22 की वार्षिक परीक्षा के मद्देनजर सम्पूर्ण बस्तर जिले में सुबह 06 बजे से रात्रि 10 बजे तक कोलाहल एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने वार्षिक परीक्षा के दौरान परिक्षार्थियों के अध्ययन में किसी भी प्रकार की व्यवधान उत्पन्न ना हो इस बात को ध्यान में रखते हुए कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 5(2) एवं धारा 10(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आगामी आदेश तक कोलाहल एवं समस्त ध्वनि विस्तारक के प्रयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी आदेश का उल्लंघन किए जाने पर अधिनियम की धारा 15 के अधीन दंडनीय होगा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा कोलाहल नियंत्रण अधिनियम की धारा 2(घ) की शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा 07 के प्रायोजन के लिए उपयुक्त अवसरों पर सीमित अवधि के लिए अनुज्ञा देने हेतु नगर दंडाधिकारी जगदलपुर एवं जिले के सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी को उनके स्थानीय क्षेत्राधिकारिता के अंतर्गत विहित प्राधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु सशक्त किया गया है।

किसानों को चलित स्पेयर पंप एवं बीज का वितरण

कोरबा। ग्राम पंचायत हरदीबाजार में कृषि विभाग द्वारा कृषि चौपाल लगाकर खनिज न्यास मद से 110 हितग्राहियो को बैटरी से चलित स्पेयर पंप एवं मक्का बीज का वितरण क्षेत्रीय कटघोरा विधायक पुरुषोाम कंवर के हाथों हितग्राहियो को किया गया। नारायणी स्व सहायता समूह हरदीबाजार को मिनी राइस मिल देकर महिला समूह को आगे बढ़ने की बात विधायक पुरुषोाम कंवर के द्वारा कही गई। किसानों को अपनी खेती किसानी में लगन पूर्वक कृषि करने की बाते कही गई हमेशा किसानों को अच्छी फसल उगाने पर ध्यान देना चाहिए किसानों की मेहनत से ही आज हम जो खाना खा रहे हैं। क्षेत्र के 6 ग्राम पंचायतो में हरदी बाजार ,कोरबी, सरपंच सचिव एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के 30 छात्रों के मॉडल राष्ट्रीय स्तर पर चयनित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के 30 विद्यार्थियों के मॉडल राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुए है। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए ये मॉडल शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, कृषि, कृषि अभियांत्रिकी, बायोडिजेबल एनर्जी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित है।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2020-21 के तहत राज्य से विज्ञान एवं सामाजिक अनुप्रयोगों में मूल विचारों एवं नवाचारों में 3678 प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तर पर हुआ था, इनमें से 30 विद्यार्थियों के मॉडल राष्ट्रीय स्तर चयनित हुए है। यह छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरव की बात है। राज्य से हर साल बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के मॉडल राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होते रहे है।

यह राज्य में विज्ञान के प्रति बच्चों की रूझान एवं नवाचार का द्योतक है। गौरतलब है कि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि और रूझान बढ़ाने, उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तर्क क्षमता का विकास करने नन्हें बाल वैज्ञानिकों को अवसर प्रदान करने के लिए इंस्पायर अवार्ड मानक योजना संचालित है। स्कूल शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत राष्ट्रीय स्तर पर जिन विद्यार्थियों के मॉडल चयनित हुए है।

उनमें दुर्ग जिले के विद्यार्थी रूपेश यादव ने बिल्डिंग मटेरियल लिफ्टिंग बॉक्सकेट फॉर मानसून, आशीष सोनी ने स्मार्ट डस्टबिन विथ ड्राई एण्ड वेट डस्ट सेपरेशन, दामिन साहू ने मल्टीपरपस मेकेनिकल मशीन, अनमोल मालवीय ने रोबोटिक हैण्ड, हरित चनचानी ने चाइल्ड लॉक एलपीजी सिलेण्डर और लीलाधर साहू ने स्मार्ट व्हील ओपनर फॉर कार का मॉडल प्रस्तुत किया था।

इसी प्रकार सरगुजा जिले के रूपदेव ने चेयर एण्ड स्टेयर्स, सूरजपुर जिले की तुलेश्वरी यादव ने गेसचर कंट्रोल क्रॉप कटर रोबोट, राजनांदगांव के अनमोल साव ने मल्टीपरपस स्मार्ट व्हील चेयर, रायपुर के अदित सिंह ने बायोडिग्रेडेबल नेचुरल स्वीटनर कोटेट डिस्पोजेएबल कप विथ एम्बडेड मेडिशनल इम्यूनोबूस्टर हर्ब्स मिक्सर, रायपुर की ही कुमारी मोनिका ने भार विभक्त, रायगढ़ के आयुषमान त्रिपाठी ने द स्मार्ट क्लाथ एण्ड शू डायर मशीन, रायगढ़ के ही अंकेश कुमार झा ने ऑल इन वन सेनेटाईजर मशीन, महासमुंद की रितु निषाद ने मूवर फॉर द फिक्सड एण्ड हेवी आब्जेक्टस, कोरबा की पूनम कुमारी रोहिदास ने सेफ्टी बैंड फॉर चिल्ड्रन, कोरबा के ही तेजकुमार ने एसेशिरिज फॉर ब्रिक-टिलिंग वरकर्स ऑन द हेड, कोण्डागांव के सुरेन्द्र नेताम ने स्मार्ट अलार्म फॉर प्रोटेक्शन फ्रॉम कोविड-19, कबीरधाम की राजकुमारी श्रीवास ने एड ब्रेल सिस्टम इन इंडेक्शन कूकर, जांजगीर-चांपा के उमेश कुमार ने क्लाथ ड्रायिंग मशीन, गरियाबंद की चंचल निर्मलकर ने अस्वस्थ बुजुर्ग के लिए सुरक्षित बिस्तर का मॉडल बनाया था।

धमतरी जिले की कुमारी दीपिका ने मेकिंग फूड बर्निंग इंडिकेटर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के लक्की ने लो-कॉस्ट प्रोटेबल चिरौंजी डिकोर्टिकेटर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के ही सागर भास्कर ने कोकोनट पीलिंग कम डिहस्किंग मशीन, बिलासपुर जिले के तरूण मैत्री ने मि.डॉक्टर रोबोट, बिलासपुर के ही अनुराग कश्यप ने मोबाईल कंट्रोल व्हिपर, बस्तर की खुशबू शर्मा ने डुपट्टा सेंसर इन द व्हीकल, बलौदाबाजार के डेविड साहू ने रिक्शा पैरदान, बलोदाबाजार के ही अविजित कटारिया ने सिक्योर यूएसबी पोर्ट, बालोद के अमीन साहू ने एंटी स्पीड सिस्टम और मुंगेली की खुशी ने मल्टीपरपस रूरल गैस फायर का मॉडल प्रस्तुत किया था।

11 गांवों के प्रत्येक परिवार को मिला आयुष्मान कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गंभीर बीमारियों में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए इलाज का खर्च वहन करना मुश्किल होता है, ऐसे में राज्य सरकार द्वारा हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। दूरस्थ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों सहित दुर्गम इलाकों में पहुंचकर स्वास्थ्य विभाग की टीम हर अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधा की पहुंच बनाने में जुटी है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र सुकमा में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है कि 11 गांवों के प्रत्येक परिवार के सदस्यों का हेल्थ आई.डी.कार्ड बनाया जा चुका है। हेल्थ कार्ड के जरिए अब ग्रामीण डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना, मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना सहित अन्य स्वास्थगत योजनाओं के अंतर्गत पंजीकृत शासकीय या निजी अस्पतालों में पात्रतानुसार नि:शुल्क उपचार की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

जिला कार्यक्रम समन्वयक प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना श्री दीपेश दीवान ने बताया कि सुकमा विकासखण्ड से कोसाबन्दर, छिन्दगढ़ के गांवों बड़ेगुरबे, भण्डारसास, बोदारास, चिपुरपाल, छोटेगुरबे, चूआपाल और कोण्टा विकासखण्ड के 4 गांवों रामाराम, सिंगनमडगु, वेंकटपाल और वेंकटपुरम ग्राम में 100 प्रतिशत परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है। इसके साथ ही सुकमा के 6, छिन्दगढ़ के 14 और कोण्टा के 1 गांव में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीणों का आयुष्मान कार्ड बना दिया गया है।

कैंसर, हदय रोग, बच्चों के दिल की गंभीर बीमारी एवं अन्य जटिल रोगों के उपचार में नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत प्राथमिकता एवं अंत्योदय राशन कार्डधारी परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपए एवं अन्य राशन कार्ड धारी परिवारों को 50 हजार तक की चिकित्सा सुविधा राज्य के किसी भी पंजीकृत निजी एवं शासकीय चिकित्सालय में प्रदान की जाएगी।

वहीं मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत चिन्हित दुर्लभ बीमारियों के लिए राज्य के पात्र परिवारों को राज्य स्तर तथा प्रदेश के बाहर स्थित तथा योजनांतर्गत पंजीकृत सुपर स्पेशिलिटी एवं मल्टी स्पेशिलिटी चिकित्सालयों में अधिकतम 20 लाख रूपए तक के इलाज की सुविधा प्रदान की जाती है। उल्लेखनीय है कि हेल्थ कार्ड के जरिए कई तरह की बीमारियों की स्क्रीनिंग को शामिल किया गया है, जिसमें बी.पी., मधुमेह, मुख कैंसर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, हदय रोग, बच्चों के दिल की गंभीर बीमारी एवं अन्य जटिल रोगों के साथ अन्य कई बीमारियों को शामिल किया गया है।

नेहरू सेंचुरी हॉस्पिटल में पैथोलॉजी टेस्ट की सुविधा, एक घंटे में होगी 200 जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड गेवरा क्षेत्र स्थित नेहरू सेंचुरी हॉस्पिटल में पैथोलॉजी टेस्ट की सुविधा बढ़ाई गई है । ईआरबीए कंपनी की ओर से यहां पर नवीन बायो केमिस्ट्री एनालाइजर लेबोरेटरी की स्थापना की गई। 42 प्रकार की जांच की सुविधा इसमें शामिल है। एसईसीएल के स्वास्थ्य सेवाएं प्रमुख डॉ मधुकर टिकास ने अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में इस स्वास्थ्य सेवा का शुभारंभ किया। कई तरह की विशेषताओं से युक्त लैबोरेट्री का शुभारंभ होने से कर्मचारियों को काफी लाभ होंगे।

एनसीएच गेवरा को पहले से ही मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का दर्जा दिया गया है और यहां पर एसईसीएल के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित उनके परिजनों के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। यहां पर कुछ और सेवाओं के विस्तार की आवश्यकता महसूस की जा रही थी और इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। स्थानीय स्तर से की गई पहल के बाद कंपनी प्रबंधन ने इस मामले को गंभीरता से लिया। इसी के अंतर्गत इस हॉस्पिटल में बायो केमिस्ट्री एनालाइजर लेबोरेटरी स्थापित की गई। प्रबंधन के बुलावे पर साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के स्वास्थ्य सेवाएं प्रमुख डॉक्टर मधुकर टिकास, अरिहंत जैन और एनसीएच गेवरा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एके बहरा ने फीता काटकर नवीन लेबोरेटरी का शुभारंभ किया।

माघ पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई त्रिवेणी संगम में डुबकी, देवालय दर्शन और घाटों में स्नान का सिलसिला शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रयाग राज के रूप में प्रसिद्ध राजिम में माघी पुन्नी मेला आज से प्रारंभ हो गया है। श्रद्धालुजनों का सुबह से ही देवालय दर्शन और घाटों में स्नान का सिलसिला शुरू हो गया है। मान्यता के अनुसार माघ पुन्नी के अवसर पर पुन्नी स्नान का विशेष महत्व है, इसलिए सोढुर, पैरी और महानदी के त्रिवेणी संगम के स्नान करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

राजिम के मेला स्थल पर राज्य शासन द्वारा विशेष इंतजाम किए गए हैं। संगम स्थल पर बनाए गए एनीकट में पानी की व्यवस्था सहित संत निवास, आवागमन की सुविधा, पूरे मेला क्षेत्र की साफ सफाई, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि की व्यवस्था की गई। 14 दिन तक चलने वाले इस मेले में यहां प्रतिदिन संतों के द्वारा आशीष वचन भी दिए जाएंगे। पूरे मेले स्थल में कानून व्यवस्था के लिए पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष बसों का संचालन भी किया जा रहा है। मेला स्थल पर व्यवस्थित रूप से दुकानों के लिए स्थल आबंटित किए गए हैं। मेला स्थल पर पेयजल, शौचालय और पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है। मुख्य मंदिर के पास भव्य और आकर्षक मंच बनाया गया है, जहां स्थानीय लोककलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। मंदिर परिसर सहित पूरे मेला क्षेत्र की आकर्षक सजावट की गई है। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप माघी पुन्नी मेले के दौरान राजिम और आसपास के क्षेत्रों में मदिरा का विक्रय प्रतिबंधित कर दिया गया है।

मेला स्थल के समीप नदी पर बनाए गए लक्ष्मण झूला आवागमन के लिए वन-वे होगा। मेला स्थल में सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। त्रिवेणी संगम स्थल पर महाआरती के आयोजन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। सिंचाई विभाग द्वारा श्रद्धालुओं के स्नान के लिए विशेष स्नान कुण्ड भी तैयार किए गए हैं। इसी प्रकार मेले में वीवीआईपी आगमन के मद्देनजर सभी आवश्यक व्यवस्था की गई है।

नई सरकार द्वारा मेला क्षेत्र को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने के लिए 54 एकड़ भूमि आबंटित की गई है, जहां मेला स्थल को व्यवस्थित करने के साथ ही धर्मशाला और अन्य आवश्यक भवनों का निर्माण किया जा रहा है। मेला स्थल की व्यवस्था के लिए रायपुर, गरियाबंद और धमतरी जिले के प्रशासनिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

प्रदेश में तेजी से किया जा रहा है विद्युत अधोसंरचना के विकास का काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बोरगांव एवं बांसकोट विद्युत उपकेन्द्रों में अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मरों की हुई स्थापना

ट्रांसफार्मरों के लगने से गुणवत्ता पूर्ण बिजली की होगी आपूर्ति

रायपुर। बिजली उपभोक्ताओं एवं किसानों को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए राज्य शासन द्वारा ऊर्जा विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत अधोसंरचना विकास के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत कोण्डागांव जिले के बोरगांव और बांसकोट के विद्युत उपकेन्द्रों में एक-एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर की स्थापना की गई है। इससे इस क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति हो सकेगी और किसानो एवं घरेलू उपभोक्ताओं को लोड शेडिंग की समस्या से निजात मिलेगी। 33/11 के.व्ही क्षमता के बोरगांव विद्युत उपकेंद्र एवं 33/11 के.व्ही क्षमता के बांसकोट विद्युत उपकेंद्र में अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर लगाकर उन्हें क्रियाशील कर दिया गया है। उपकेंद्रों में पूर्व से स्थापित एक-एक पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता 3.15 एम.व्ही.ए थी। वहां 3.15 एम.व्ही.ए का एक-एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगाया गया है। विद्युत उपकेंद्र में 108 लाख रुपए की लागत से अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत लगाया गया है।

दो आपदा पीड़ित परिवारों को 8 लाख रूपये की सहायता राशि स्वीकृत

कांकेर। सर्प काटने एवं आग में जलने से मृत्यु होने के प्रकरण में कलेक्टर चन्दन कुमार ने राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 में दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए पीड़ित प्रत्येक परिवार के लिए चार-चार लाख रूपये की सहायता राशि के मान से दो परिवारों के लिए 08 लाख रूपये की सहायता राशि स्वीकृत किये हैं। श्रीमती कौशिल्या के लिए चार लाख रूपये और पखांजूर ग्राम पी.व्ही-87 निवासी 59 वर्षीय उर्मिला सरकार की आकस्मिक रूप से आग में जलने पर मृत्यु होने के प्रकरण में उनके निकटतम वारिस पूर्ण सरकार के लिए चार लाख रूपये की सहायता राशि स्वीकृत किया गया है।

खास खबर

रायपुर में तहसीलदारों की हड़ताल से आम लोगों की बढ़ी परेशानी

रायपुर (ए)। रायगढ़ तहसील में हुई मारपीट की घटना के विरोध में बीते दो दिनों से प्रदेश भर के तहसील कार्यालयों में कामकाज ठप है। अधिकारियों की इस हड़ताल से यहां आने वाले आम लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। नामांतरण, प्रापर्टी सहित मामलों को लेकर यहां आने वाले आम लोग मायूस होकर लौटने लगे हैं। तहसील न्यायालयों में होने वाली सुनवाई भी 15 दिन आगे के लिए टाल दी गई है। लगातार तीसरे दिन बुधवार को भी रायपुर समेत प्रदेश भर में तहसील कार्यालयों में कामकाज ठप रहा। छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के आह्वान पर मंगलवार दोपहर बूढ़ातालाब धरना स्थल पर प्रदेश भर के अधिकारियों, कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। संघ के प्रांताध्यक्ष केके लहरे ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होगी। यह हड़ताल जारी रहेगी। प्रदेश के सभी राजस्व न्यायालयों में भयमुक्त व स्वास्थ्य वातावरण बनाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। इस हड़ताल को छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने भी समर्थन दिया है। दूसरी ओर मंगलवार को रायपुर अधिवक्ता संघ ने भी काली पट्टी लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

तहसील कार्यालय रायपुर में आने वाले उपभोक्ताओं के लिए सूचनाएं लगा दी गई है। सूचना में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ द्वारा की जा रही हड़ताल की वजह से तहसील कार्यालय रायपुर के सभी न्यायालयों में 15 फरवरी को होने वाली सुनवाई सात मार्च को होगी। इसी प्रकार 14 फरवरी को होने वाली सुनवाई 28 फरवरी के लिए टाल दी गई है। नामांतरण सहित अन्य मामलों को लेकर रायपुर जिले के तहसील न्यायालयों में अब तक 2987 मामले लंबित है। इनमें से अकेले रायपुर में 835 मामले लंबित पड़े हैं। बताया जा रहा है कि इनमें से 195 ऐसे मामले है,जिनकी समय-सीमा भी खत्म हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकायों में बिजली खर्चः सौर ऊर्जा से बिजली के भार को करेंगे आधा

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में सभी नगरीय निकाय के कार्यालयों में बिजली के उपयोग को कम करने की पहल शुरू हो गई है। नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी निकायों से छह महीने की बिजली खपत की जानकारी के साथ रिपोर्ट मांगी है।

दरअसल, निकायों के दफ्तर में बिजली की खपत ज्यादा हो रही है। इसे देखते हुए सभी निकायों के छत पर सौर ऊर्जा प्लांट लगाने की तैयारी की जा रही है। क्रेडा के माध्यम से निकायों में सौर ऊर्जा सिस्टम लगाए जाएंगे। इससे बिजली की खपत आधी होने का अनुमान है। नगरीय निकायों पर 345 करोड़ का बिल बकाया है। इसमें 111 करोड़ रुपये सरकार ने जमा किया है। प्रदेश के 13 नगर निगम में सबसे ज्यादा बिल रायपुर नगर निगम का आता है। दूसरे स्थान पर भिलाई नगर निगम है।

रायपुर नगर निगम के मुख्य कार्यालय में सोलर सिस्टम लगा है। इससे 20 फीसद बिजली बिल में कटौती आ गई है। इसके साथ ही निगम ने सभी जोन कार्यालय, इंडोर स्टेडियम की बिजली को सोलर आधारित करने का प्रस्ताव भेजा है। भिलाई निगम का बिजली बिल हर महीने डेढ़ करोड़ रुपये आता है। भिलाई निगम द्वारा शिवनाथ इंटकवेल, 77 एमएलडी फिल्टर प्लांट, 66 एमएलडी फिल्टर प्लांट, आठ पुरानी तथा 12 नई पानी टंकी, स्ट्रीट लाइट, मुख्य कार्यालय, पांच जोन कार्यालय, वाहन शाखा, सेंट्रल स्टोर, शहरी गोठान में बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। बिजली विभाग हर महीने भिलाई निगम को लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का बिल भेजता है।

प्रकृति का सान्निध्य स्वस्थ मन-स्वस्थ तन के लिए सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है : राज्यपाल

राज्यपाल ने पर्यावरण तीर्थ के मदकूद्वीप प्रकल्प का शुभारंभ किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रकृति का सान्निध्य स्वस्थ मन-स्वस्थ तन के लिए सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और मनुष्य को निरोगी बनाये रखता है। उक्त बातें राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने आज मुंगेली जिले के पर्यावरण तीर्थ मदकूद्वीप प्रकल्प के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। राज्यपाल सुश्री उइके ने पर्यावरण तीर्थ के मदकूद्वीप प्रकल्प का विधिवत शुभारंभ किया तथा प्राचीन गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना एवं शिवनाथ नदी के तट पर गंगा आरती कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने मदकूद्वीप में उत्खनन से प्राप्त ज्योतिर्लिंगों तथा अन्य पुरातात्विक मूर्तियों का अवलोकन कर जानकारी ली। साथ ही राज्यपाल सुश्री उइके ने पूजा कर परिसर में पीपल का वृक्ष रोपित किया।

राज्यपाल सुश्री उइके ने पर्यावरण तीर्थ के मदकूद्वीप प्रकल्प के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए कहा कि मानव सभ्यता का विकास प्रकृति के सान्निध्य में ही हुआ है। कोविड की वैश्विक महामारी ने हमें पर्यावरण को सुरक्षित-संरक्षित रखने के प्रति सचेत किया है, जो बताती है कि प्रकृति के प्रतिकूल किये गए मानवीय व्यवहार के भयावह दुष्परिणाम हो सकते हैं। हमें आने वाली पीढ़ी के लिए प्रकृति प्रदत्त चीजों को सहेज कर रखने की आवश्यकता है, ताकि समावेशी विकास की अवधारणा सतत् बनी रहे। राज्यपाल ने कहा कि आज यहां रोपित किए जा रहे बरगद, पीपल, नीम तथा तुलसी के पौधों का धार्मिक, आर्थिक, पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बड़ा महत्व है। नीम और

तुलसी के गुणकारी प्रभावों से आप सब परिचित ही हैं। कोरोना काल में तुलसी के कफनाशक गुणों के कारण इसके पेय से आमजनों को काफी लाभ हुआ।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि प्रकृति के लिए प्लास्टिक अत्यंत हानिकारक है। यह हजारों सालों में भी नष्ट नहीं होता और इसमें कई ऐसे घटक होते हैं जो शरीर के लिए नुकसानदायक हैं। प्लास्टिक के बर्तन कई प्रकार के बीमारियों को जन्म देती है। हमें कोशिश करनी चाहिए कि प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग किया जाए तथा उपयोग किए हुए प्लास्टिक का उचित प्रबंधन करें। पॉलीथीन के स्थान पर कपड़े, जूट और पेपर बैग जैसे वैकल्पिक साधनों को अपनाएं, जो पर्यावरण अनुकूल होते हैं। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि देश के सभी नदियों को गंगा के सदृश पवित्र मानकर उसको स्वच्छ बनाए रखना है। नदियों को प्लास्टिक मुक्त रखा जाए। वर्तमान समय में पर्यावरण और नदियों को प्लास्टिक से सर्वाधिक नुकसान हो रहा है। हम सभी को मिलकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में साझी पहल करनी होगी ताकि सदानीरा नदियां अविरल बहते हुए हमारे अस्तित्व को सिंचित करती रहे। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जन समुदाय को प्रकृति और परिवेश की स्वच्छता व सुरक्षा तथा नदियों को प्लास्टिक मुक्त करने हेतु संकल्प वाचन कराया।

पुरातात्विक पाषाण मूर्तियों एवं श्री रामाश्रय आश्रम कुटिया का किया अवलोकन

राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उईके ने माघ पूर्णिमा के अवसर पर मुंगेली जिले के पथरिया विकासखण्ड में शिवनाथ नदी के तट पर स्थित ग्राम मदकूद्वीप में प्राचीन अष्टभुजी श्री गणेश की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में पुरातात्विक पाषाण मूर्तियों का और श्री रामाश्रय (हरिहर क्षेत्र मांडूक्य द्वीप) आश्रम कुटिया का भी अवलोकन किया। उन्होंने मदकूद्वीप पुरातत्विक स्थल के संबंध में अधिकारियों व स्थानीय लोगों से जानकारी ली। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, पूर्व मंत्री एवं विधायक पुन्नूलाल मोहिले, पूर्व मंत्री दयालदास बघेल, पूर्व सांसद लखन लाल साहू, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष हर्षिता पाण्डेय, मंदिर परिसर के प्रमुख पुजारी रामअवतार महात्यागी, गणेशशंकर मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं आमजन उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में तेजी से घट रही है शिशु एवं मातृ मृत्यु दर

केन्द्र सरकार के आंकड़ों से हुई पुष्टि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ शासन द्वारा महिलाओं और बच्चों की सेहत में सुधार के लिए शुरू की गई योजनाओं और कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन से शिशु एवं मातृ मृत्युदर में तेजी से कमी आ रही है। केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी किए गए ताजा आंकड़ों में यह बात स्पष्ट रूप से उभर कर सामने आयी है। अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में नवजात, शिशु एवं बाल मृत्युदर में तेजी से कमी दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर राज्य में कुपोषण को दूर करने के साथ साथ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की पहल की गई। गांव से लेकर शहरों तक की स्वास्थ्य सेवाओं में कई नवाचारी कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। कुपोषण में कमी लाने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री सुपोषण योजना और मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना और मलेरिया मुक्त अभियान, दाई दीदी क्लिनिक योजना के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना की गई है। इन नवाचारी कार्यों से राज्य के आंगनबाड़ी में दर्ज बच्चों के कुपोषण में कमी के साथ साथ नवजात

मृत्यु दर, शिशु मृत्युदर और मातृमृत्यु दर में कमी आयी है।

प्रदेश में मातृ मृत्यु अनुपात नवीनतम एसआरएस आंकड़ो के अनुसार छत्तीसगढ़ में 159 प्रति 1 लाख जीवित जन्म हो गई है। जबकि इसी अवधि में उत्तर प्रदेश में 197, असम में 215 और मध्यप्रदेश में 173 प्रति लाख थी। इसी प्रकार नवजात मृत्युदर छत्तीसगढ़ में 32.4 प्रति हजार है जबकि उत्तर प्रदेश में 35.7 और बिहार में 34.5 है। इसी प्रकार शिशु मृत्युदर छत्तीसगढ़ में 44.3 प्रति हजार है, जबकि उत्तर प्रदेश में 50.4 और बिहार में 46.8 है। पांच वर्ष तक के बच्चों की बाल मृत्युदर छत्तीसगढ़ में 50.4 प्रति हजार है, जबकि उत्तर प्रदेश में 59.8 और बिहार में 56.4 है।

केन्द्र सरकार के संयुक्त सचिव ने की स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल की तारीफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू किए गए स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की केन्द्र सरकार के अधिकारियों ने प्रशंसा की है। केंद्रीय स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के संयुक्त सचिव मनीष गर्ग राजधानी रायपुर के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का अवलोकन कर राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए इन स्कूलों की तारीफ की। इस अवसर पर संचालक लोक शिक्षण सुनील जैन सहित स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

केन्द्र सरकार के संयुक्त सचिव गर्ग ने स्वामी आत्मानंद स्कूलों के अवलोकन के दौरान स्कूल में बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्कूल के स्मार्ट क्लास, लायब्रेरी और लैब का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अध्ययनरत बच्चों से पढ़ाई

और शिक्षकों से भी इन स्कूलों की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। श्री गर्ग ने बच्चों के टेस्ट के आयोजन के लिए शिक्षा विभाग द्वारा तैयार किए गए एनआईसीएलएआर एप्प की भी सराहना की। उन्होंने कोविड संकटकाल के दौरान बच्चों की शिक्षा के लिए किए जा रहे नवाचारी कार्यों की भी प्रशंसा की।

केन्द्र सरकार के संयुक्त सचिव शंकर नगर स्थित बी.एड कॉलेज में चल रहे शाला सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी पहुंचे। उन्होंने शाला सुरक्षा और व्यक्तिगत् सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों से बात की। श्री गर्ग ने इस प्रशिक्षण को विद्यालयों की सुरक्षाके साथ-साथ छात्रों और शिक्षकों को व्यक्तिगत् सुरक्षा के लिए भी जागरूक करने में महत्तवपूर्ण बताया। श्री गर्ग ने हेंड वाशिंग के तरीकों के साथ-साथ कोरोना से बचने के लिए अपनायी जाने वाली सावधानियों को बताने के लिए भी उपस्थित शिक्षकों को कहा। उन्होंने कोरोना के प्रति जागरूकता के लिए जारी निर्देशों तथा उपायों को स्कूलों के दीवारों पर चित्रों तथा पोस्टरों के माध्यम से डिस्पले करने की भी सलाह दी।

उल्लेखनीय है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद तथा राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा अभियान के द्वारा दिया जा रहा है। 150 विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 फरवरी से 18 फरवरी तक चल रहा है। इस प्रशिक्षण में दो दिन व्यक्तिगत् सुरक्षा और तीन दिन शाला सुरक्षा पर चर्चा होगी। प्रशिक्षण में विभिन्न विकासखंडों से सहायक खण्ड शिक्षा अधिकारी प्राथमिक और माध्यमिक शालाबओं के शिक्षक भाग ले रहे हैं।

राजिम माघी पुन्नी मेलाः लक्ष्मण झूला में लेजर शो और आकर्षक लाईटिंग

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 100 जोड़ों की होगी शादी छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्वाद भी मिलेगा

लोक कलाकारों द्वारा होगी सांस्कृतिक प्रस्तुति

मेला परिसर की निगरानी के लिए 120 सीसीटीवी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का प्रयागराज कहलाने वाला राजिम माघी पुन्नी मेला शुरू हो गया है। एक पखवाड़े तक चलने वाली इस मेले के भव्य आयोजन के लिए राज्य सरकार द्वारा आयोजन संबंधी विशेष तैयारियां की गई हैं। लक्ष्मण झूला में लेजर शो और आकर्षक लाइटिंग इस मेले का खास आकर्षण होगा। माघी पुन्नी मेले के दौरान मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 100 जोड़ों की शादियां होंगी।

माघी पुन्नी मेले में छत्तीसगढ़ी कला और संस्कृति के प्रोत्साहन में स्थानीय एवं राज्य के लोक कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियां होंगी। आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के व्यंजनों का स्वाद मिलेगा, जिसके लिए यहां पर फूड जोन में स्टॉल की व्यवस्था की गई है। बिहान महिला समूह की महिलाएं समूह के विभिन्न प्रकार के उत्पादों का विक्रय करेंगी, जिसे सरस मेला नाम दिया गया है। माघी मेले के सुव्यवस्थित संचालन के लिए पार्किंग व्यवस्था, कंट्रोल रूम सहित मीडिया सेंटर की भी व्यवस्था की गई है। आगंतुकों की सुरक्षा के मद्देनजर मेला परिसर की 120 सीसीटीवी से

निगरानी की व्यवस्था की गई है।

माघी पुन्नी मेले में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जिसका लाभ ग्रामीणों और श्रद्धालुओं को मिल रहा है। मेले में महिला बाल विकास विभाग, आदिवासी विकास सहित विभिन्न विभागों द्वारा अलग कार्यक्रम के आयोजन होंगे। मेले परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री की घोषणा अनुरूप 54 एकड़ के नवीन मेला प्रांगण में जमीन समतलीकरण, नदी के किनारे फोरलेन सड़क और नदी के दोनों किनारे पाथ-वे निर्माण किया जा रहा है।

विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजिम माघी पुन्नी मेला में स्थानीय एवं प्रदेश के लोककलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। पहले दिन शाम 6 से रात 7.30 बजे तक पंडवानी गायिका उषा बारले और रात 8 से 10 बजे तक गायक दिलीप षडंगी की प्रस्तुति से मेले के रंगारंग कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इस तरह एक मार्च महाशिवरात्रि तक प्रत्येक दिन अलग-अलग लोक कलाकारों के द्वारा कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होंगी।

पैरी, सोंढूर और महानदी के त्रिवेणी संगम राजिम को छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहा जाता है। राजिम में राजीवलोचन और कुलेश्वरनाथ का मंदिर है, जिनके दर्शन को लोग दूर-दूर से यहां आते हैं। राजीवलोचन मंदिर राजिम के सभी मंदिरों में सबसे पुरातन है। राजिम को शिव और वैष्णव धर्म का संगम तीर्थ भी कहा जाता है। राजिम माघी पुन्नी मेले में शामिल होने आगंतुकों एवं अनेकों साधु-संत यहां आते हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

न्यूजीलैंड में मिली दुर्लभ मछली
वैज्ञानिकों ने ढूंढ निकाली बेबी घोस्ट शार्क, गहरे समुद्र के नीचे हुआ जन्म

क्या है घोस्ट शार्क?

घोस्ट शार्क को चिमेरा प्रजाति के नाम से भी जाना जाता है। ये असली शार्क नहीं होती, केवल उसकी रिश्तेदार होती है। यानी इसकी बनावट शार्क जैसी होती है। घोस्ट शार्क में भी कई प्रजातियां आती हैं। इनमें से अधिकतर गहरे पानी में मिलती है और बहुत कम ही समुद्र तटों के पास।

एक एडल्ट घोस्ट शार्क 2 मीटर लंबी होती है और विश्व में हर जगह मिल सकती है। ये ज्यादातर समुद्र तल पर मिलने वाले घोंघे और कीड़े ही खाती है।

यह इतनी दुर्लभ है कि वैज्ञानिकों को भी इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। वे सालों से इस पर रिसर्च कर रहे हैं। उनके अनुसार, इस मछली के बच्चों का मिलना और भी दुर्लभ है क्योंकि घोस्ट शार्क समुद्र तल पर अंडे देती है।

दुनिया में ऐसे कई जीव हैं जिनकी मौजूदगी से हम अब भी अंजान हैं। हाल ही में न्यूजीलैंड की समुद्री गहराइयों में वैज्ञानिकों को एक दुर्लभ मछली का बच्चा मिला है। इसे बेबी घोस्ट शार्क कहा जा रहा है।

गहरे पानी में मिली मछली हाल ही में अंडे से निकली है

BBC की रिपोर्ट के अनुसार, बेबी घोस्ट शार्क की खोज न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप के पास जमीन से लगभग 1.2 किमी नीचे हुई है। शोध में शामिल डॉ. ब्रिट फानुची ने बताया कि गहरे पानी की प्रजातियों को आमतौर पर खोजना मुश्किल होता है, विशेष रूप से घोस्ट शार्क को। ये मछलियां काफी रहस्यमयी होती हैं और हम इन्हें बहुत बार देख भी नहीं पाते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वॉटर एंड एटमोस्फेरिक रिसर्च के वैज्ञानिकों का मानना है कि बेबी घोस्ट शार्क हाल फिलहाल ही अंडे से बाहर निकली है। ऐसा इसलिए क्योंकि उसके पेट में अभी भी अंडे का योक है। जन्म से पहले ये शार्क्स अंडे में रहते हुए उसके योक से ही अपनी भूख मिटाती हैं।

बेबी घोस्ट शार्क का इतना महत्व क्यों?

खोज करने वाली टीम के वैज्ञानिकों का कहना है कि बेबी घोस्ट शार्क के मिलने से प्रजाति के प्रारंभिक जीवन के बारे में जानकारी मिल सकती है। ये मछली बचपन में अलग-अलग जगहों पर रह सकती है और तरह-तरह का खाना खा सकती है। ये एडल्ट घोस्ट शार्क से बेहद अलग है।

डॉ. फानुची का कहना है कि फिलहाल इस बेबी घोस्ट शार्क के टिशूज के कुछ सैंपल लेकर उन्हें स्टडी किया जाएगा। इससे उसके जेनेटिक्स के बारे में जानकारी मिलेगी। साथ ही बड़े होने पर उसकी लंबाई-चौड़ाई और वजन कैसा होता, यह भी पता चल सकेगा।

कोविड-19 से रिकवरी के बाद भी नहीं जा रही है कमजोरी, इन चीजों के सेवन से मिलेगा लाभ

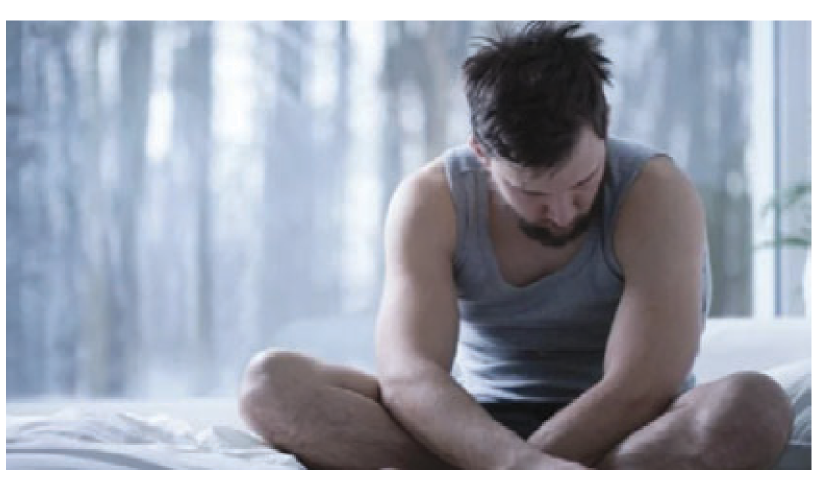

कोरोना संक्रमण पूरी दुनिया के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। डेल्टा जैसे वैरिएंट से संक्रमण के कारण लोगों को कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। हालांकि ओमिक्रॉन वैरिएंट के लक्षणों को अपेक्षाकृत हल्का माना जा रहा है। इन दोनों वैरिएंट के संक्रमण से ठीक होने के बाद लोगों में कमजोरी बने रहने की समस्या काफी सामान्य देखी जा रही है। लॉन्ग कोविड के रूप में कुछ लोगों को कई महीनों तक कमजोरी की समस्या बनी रह सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक संक्रमण से मुकाबले के दौरान शरीर में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी हो जाती है, जिसके कारण रिकवरी के बाद भी कमजोरी की दिक्कत बनी रह सकती है। यही कारण है कि संक्रमण के दौरान और ठीक होने के बाद भी लोगों को अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है।

यदि हाल ही में आप भी कोरोना संक्रमण के शिकार रह चुके हैं, और रिकवरी के बाद भी लगातार कमजोरी और थकान की दिक्कत बनी हुई है तो आपको भी अपने आहार पर ध्यान देनी की आश्यकता है। भोजन में तमाम तरह के विटामिन्स और खनिजों से युक्त चीजों को शामिल करें जिससे संक्रमण के दौरान नष्ट हुई माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की आसानी से पूर्ति की जा सके। आइए आगे की स्लाइडों में ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जानते हैं जो कमजोरी की समस्या को तेजी से दूर करने में आपके लिए मददगार साबित हो सकती हैं।

बादाम दिमाग-शरीर के लिए फायदेमंद

वर्षों से शरीर की कमजोरी को दूर करने के लिए लोगों को बादाम खाने की सलाह दी जाती रही है। बादाम सिर्फ दिमाग को ही तेज नहीं करता, इसका सेवन करना शरीर को ताकत देने के लिए भी काफी लाभदायक माना जाता है। बादाम में उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन, फाइबर और स्वस्थ मोनोअनसैचुरेटेड फैट पाए जाते हैं। इसके अलावा बादाम को विटामिन-बी का भी अच्छा स्रोत माना जाता है जो भोजन को ऊर्जा में बदलने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद मैग्नीशियम थकान को कम करने में सहायक माना जाता है।

केले खाने से दूर होती है कमजोरी

शरीर की कमजोरी और थकान को दूर करने के लिए केले खाना आपके लिए विशेष लाभदायक हो सकता है। केले खाना आपके लिए ईंधन की तरह काम करता हैं। पोटेशियम से भरपूर इस फल में फाइबर की भी अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर की थकान और कमजोरी को कम करने के साथ तेजी से ऊर्जा के संचार में सहायक है। इसके अलावा केले को मैग्नीशियम और विटामिन-बी का भी अच्छा स्रोत माना जाता है, जिसका नियमित सेवन करना आपकी सेहत के लिए विशेष लाभदायक हो सकता है।

खून बढ़ाने के लिए खाएं खजूर

शरीर की कमजोरी और खून की कमी को दूर करने के लिए खजूर का सेवन करना आपके लिए विशेष लाभदायक हो सकता है। खजूर कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, मैग्नीशियम, कॉपर और आयरन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। दूध के साथ खजूर का सेवन करने से शरीर की कमजोरी दूर होने के साथ हीमोग्लोबिन की मात्रा को तेजी से बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कोरोना से रिकवरी के दौरान रोजाना दूध में खजूर डालकर इसका सेवन करना सेहत के लिए अविश्वसनीय तौर से लाभदायक हो सकता है।

क्या 'विजय' इस बार अपनी फैमिली को कर पाएगा प्रोटेक्ट? 'दृश्यम' 2 की शूटिंग हुई शुरू

अजय देवगन स्टारर 'दृश्यम' 2 की शूटिंग शुरू हो गई है. इस बारे में खुद अजय देवगन ने एक पोस्ट कर बताया. इस खबर से अजय देवगन के फैंस बेहद खुश हो गए हैं. जिन्होंने 'दृश्यम' का पहला भाग देखा था, वे दर्शक इस फिल्म के अगले पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. ऐसे में अब मुंबई में अजय देवगन ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है. अब आने वाले दिनों में इस फिल्म की शूटिंग को गोवा में शेड्यूल किया जाएगा. बताते चलें पहले भाग दृश्यम में अजय देवगन के अलावा एक्ट्रेस तब्बू, श्रिया सरन और इशिता दत्ता आदि थे.

अजय देवगन ने शेयर की सेट से तस्वीर

क्राइम-थ्रिलर जॉनर वाली अजय देवगन की इस फिल्म के सेट से एक तस्वीर भी सामने आई है जिसमें अजय देवगन और श्रेया सरन भी नजर आ रही हैं. फोटो में दोनों शूटिंग के समय नजर आ रहे हैं. इस फोटो को खुद अजय देवगन ने शेयर किया और लिखा है- 'क्या विजय फिर से अपनी फैमिली को प्रोटेक्ट कर पाएगा? दृश्यम 2 की शूटिंग फिर शुरू.'

अजय देवगन का ट्वीट

वही होगी फिल्म की कास्ट, कहानी में आएगा नया मोड़! इस बार भी यही कास्ट फिल्म में नजर आने वाली है. पहले दृश्यम के मुकाबले दृश्यम 2 में काफी कुछ अलग होने वाला है. इस बार कहानी पहली फिल्म की घटनाओं के 7 साल बाद शुरू होगी और अपने परिवार को बचाने के लिए विजय की भागादौड़ी शुरू होगी.अपने परिवार को बचाने के लिए इस बार विजय किस हद तक जाएगा ये जानना बेहद दिलचस्प होने वाला है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अजय देवगन ने कहा- 'पहले भी दृश्यम को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल चुका है. दृश्यम 2 के साथ अब मैं एक और दिलचस्प कहानी पेश करने जा रहा हूं, इसको लेकर मैं और मेरी टीम काफी एक्साइटेड हैं. विजय एक मल्टीडायमेंशनल कैरेक्टर है'. बता दें, निर्देशक अभिषेक पाठक द्वारा बनाई जा रही फिल्म दृश्यम 2 का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. पिछली कहानी के बाद अब इस बार भी कहानी में और बड़े बड़े और दिलचस्प मोड़ आने वाले हैं.

हिमाचल प्रदेश पुलिस ऑर्केस्ट्रा बैंड ने शो में आए गेस्ट रोहित शेट्टी का जीता दिल

बॉलीवुड के 'एक्शन ग्रैंड मास्टर' रोहित शेट्टी का देश के पुलिसवालों से हमेशा से एक खास जुड़ाव रहा है. हाल ही में वे कलर्स के शो 'हुनरबाज़-देश की शान' में नजर आये. रोहित इस शो में 'बेहतरीन 12' प्रतियोगियों को चुनने में जजेज़ मिथुन चक्रबर्ती, करण जौहर और परिणीति चोपड़ा की मदद करने के लिये आये थे. इस दौरान उन्होंने इस शो के मंच पर एक-से-बढ़कर-एक प्रतिभायें देखीं, लेकिन जो ऐक्ट उन्हें सबसे ज्यादा पसंद आया, वह एक पुलिस ऑफिसर ऑर्केस्ट्रा बैंड का था. हिमाचल प्रदेश पुलिस के इस ऑर्केस्ट्रा बैंड ने रोहित का दिल जीत लिया.

उन्हें उनका परफॉर्मेंस इतना ज्यादा पसंद आया, कि उन्होंने इस बैंड को अपनी एक फिल्म में शामिल करने का वादा भी कर लिया. ऑर्केस्ट्रा बैंड 'हार्मनी ऑफद पाइन्स' ने 'संदेशे आते हैं' पर अपने परफॉर्मेंस से सभी को प्रभावित किया और इसके लिये स्टैंडिंग ओवेशन भी हासिल किया.

करण जौहर और मिथुन चक्रबर्ती ने उनकी जमकर तारीफ की, वहीं परिणीति चोपड़ा ने कहा कि यह उनके लिये दिन का सबसे पसंदीदा ऐक्ट था. लेकिन सबसे बड़ी तारीफ रोहित शेट्टी ने की, जब उन्होंने कहा कि इस बैंड का परफॉर्मेंस देखकर उनके रोंगटे खड़े हो गये. उन्होंने इस ऐक्ट को राउंड का सबसे अच्छा ऐक्ट बताया. इसके बाद बैंड ने युवाओं को पुलिस फोर्स में आने के लिये प्रेरित करने के रोहित के सम्मान में एक खास धुन भी बजाई, जो रोहित के दिल को छू गई.

बता दें कि इस शो को काफी पसंद किया जा रहा है. शो में कई टैलेंट कंटेस्टेंट्स आ रहे हैं और अपनी शानदार परफॉर्मेंसेस से जज और दर्शकों का दिल जीत रहे हैं. शो को परिणीति चोपड़ा, मिथुन चक्रवर्ती और करण जौहर होस्ट कर रहे हैं. इसके साथ ही भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया शो को होस्ट कर रहे हैं. बता दें कि भारती पहली महिला इंडियन होस्ट हैं जो प्रेग्नेंसी में एंकरिंग और होस्टिंग कर रही हैं. भारती की इस बात की पूरी तारीफ हो रही है.

हुनरबाज- देश की शान', हर शनिवार-रविवार, रात 9 बजे कलर्स पर आता है. शो में हर हफ्ते कई सेलेब्स गेस्ट आते हैं और कंटेस्टेंट्स और जज के साथ खूब मस्ती भी करते हैं. अभी तक शो को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. लेकिन देखते हैं कि आगे जाकर ये शो इतना ही एंटरटेनिंग होगा या फिर ये टैलेंट की शान कहीं कम ना हो जाए.

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :- 9303289950, 9827806026, 8962815243

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

लिजना स्पोर्ट्स वियर
हमारे यहां सुपरपॉली, कसरा, ड्राईफिट, एन.एस लायकरा आदि कपड़ों के लोवर, चड्डा, बनाये जाते है, एवं स्पोर्ट्स की टी-शर्ट होलसेल रेट में बनाए जाते हैं
संबंधित संस्थान
New J.P. Sports
Shop No. E-20, Circular Market, Camp-2, Bhilai
Mo. Lovely: 9993338252, 9300878988

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

श्री सांई जींस कॉर्नर
ओम सांई कलेक्शन
■ मेन्स वेयर ■ किड्स वेयर
■ लेडिस वेयर ■ वेडिंग कलेक्शन
9827115003, 9806303000
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
	फुल	हाफ
वेज मोमोस	40/-	20/-
मनचुरियन मोमोस	50/-	30/-
पनीर मोमोस	60/-	30/-

मोमोस-10, 20 और 30 रु. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

नाकोड़ा साड़ी सेंटर
एक्सक्लूसिव साड़ी शोरुम
फैंसी साड़ी, वैवाहिक साड़ियां डिजाईनर साड़ियां एवं सलवार सूट, लांचा
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

खास खबर

नारे और गीत से मेला में लोगों को कोरोना के प्रति किया जागरूक

सुकमा। सुकमा जिले में जिला प्रशासन एवं छत्तीसगढ़ विद पीपल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में वी द पीपल के वालंटियर द्वारा रोको अउ टोको अभियान का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर विनीत नन्दनवार के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत आम नागरिकों को कोविड दिशा निर्देशों, संक्रमण से बचाव के उपाय आदि के बारे में जागरुक किया जा रहा है। अभियान के तहत् सुकमा जिले में आयोजित रामाराम और सुकमा मेला में रोको अउ टोको अभियान के तहत् कोविड टीकाकरण करवाने एवं कोविड अनुरूप व्यवहारों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। रोको अउ टोको के वालंटियर एवं एनएसएस के छात्रों ने मेले में आए सभी लोगों को कोविड अनुरूप व्यवहारों का नियमित रूप से पालन करने के साथ मास्क लगाने की अपील की। इसके साथ ही बिना मास्क लगाए मेला देखने पहुंचे लोगों को निःशुल्क मास्क का वितरण भी किया गया। मेला में वालिंटियर्स ने 'नहीं किसी से हाथ मिलाए, नमस्ते करके काम चलाए, कोरोना को दूर भगाए' नारा और मेगा फोन के माध्यम से कोविड जागरूकता गीत सुना कर जागरूक करने का प्रयास किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

कोरबा। रामपुर विधानसभा अंतर्गत बरपाली तहसील के गांव गड़ापाली में सतनामी बघवा क्रिकेट टीम समिति द्वारा टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़े हर्षोउल्लास के साथ किया गया था। इस प्रतियोगिता में 20 टीम ने हिस्सा लिया जिसमे फाइनल मैच में बरपाली की टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया और प्रथम स्थान पर बरपाली एवं द्वितीय स्थान बरीडीह की टीम रही। बरपाली टीम के कप्तान शुभम मैन ऑफ द सीरीज रहे। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में नूर ऑटो के संचालक नवाज़ नूर आरबी, सरपंच पति अजय कंवर, पूर्व सरपंच अमर कंवर, शिक्षक पुरषोाम खांडे, पंच जगदीश खांडे, फूल बाई खांडे, राजू खांडे, योगेंद्र कुर्रे, अमन बरेठ आदि मंचस्थ अतिथियो द्वारा पुरस्कार का वितरण किया गया।

भगवान राजीव लोचन के प्राकट्य उत्सव पर भक्तों ने किया भगवान के दिव्यरूप में दर्शन, दर्शकों की रही भारी भीड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम माघी पुन्नी मेला का शुभारंभ आज 16 फरवरी को हुआ, जो 1 मार्च महाशिवरात्रि तक चलेगा। मेला के प्रथम दिन मेला स्थल में भारी भीड नज़र आई। मेला घूमने पहुंचे मेलार्थियों ने मास्क लगाकर कोविड गाईडलाईन का पालन करते हुए दिखाई दिया। पुण्य स्नान पर्व होने के कारण सभी अपने परिवार सहित दूर-दराज से दो पहिया व चार पहिया वाहनों से मेला घूमने आये थे। सुबह भगवान श्री कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में दर्शनार्थियों कि लम्बी कतारें रही। वहीं श्री राजीव लोचन भगवान का जन्मोत्सव होने के कारण भगवान के दर्शन लेने भक्तगण मंदिर प्रांगण में पहुँचे।

प्रातः स्नान, ध्यान, पूजन, अर्चन के बाद मुख्य सांस्कृतिक मंच के बाजू मे बने विशाल डोम में विश्राम करने के बाद रेत पर छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कलाकारों के लिए बने द्वितीय सांस्कृतिक मंच पर प्रातः 11 बजे से संध्या 5 बजे तक छत्तीसगढ़ की माटी की महक बिखेरती लोक संस्कृति की झांकी प्रस्तुत करते हुए सुआ, कर्मा, ददरीया, राऊत नाचा, पंडवानी और मानस प्रसंग की झमाझम प्रस्तुति को देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड रही। मेले में मुख्य आकर्षण के रूप में मीना बाजार में रंग बिरंगे झूले खिलौनें, चाट, पानीपूरी के ठेले, कपडे, मिठाई आदि के दुकानों में अपने मन पसंद सामानों को खरीदने के लिए बच्चों के साथ उनके परिजन सभी दुकानों में अधिक संख्या में दिखे।

मेलार्थी संध्या कालिन सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखने के लिए मुख्य मंच के पास कार्यक्रम का अंत तक आनंद लेते रहे। मेला में सबसे अधिक आकर्षण का विषय लक्ष्मण झूला रहा, जो मन में कौतुहलता को जन्म देती है। इसमें बहुत ही आकर्षक ढंग से जगमगाती झालरों से सजाया गया है, जो रात में ब्रम्हाण्ड में टिम-टिमाते तारों की तरह नजर आते है जिसे मेलार्थी एकटक देखते रह गये। भीड़ को नियंत्रित करने पुलिस विभाग द्वारा चाक चैबंध व्यवस्था की गई है। पुलिस कन्ट्रोल रूम से लगातार एलाउन्स कर लोगों को सतर्क एवं सचेत किया जा रहा है। कोरोना गाईड लाईन का पालन करने, अपने समानों की सुरक्षा करने और बच्चों को सम्हाल कर रखने की हिदायत दी जा रही है।

बेलटूकरी के कलाकारों की मयूर नृत्य ने छोड़ी छाप

राजिम माघी पुन्नी मेला में कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर के पास स्थानीय कार्यक्रम के लिए भव्य सांस्कृतिक मंच बना हुआ है जिसमें सुबह 11 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज हो गया। सर्वप्रथम स्वागत नृत्य दयालूराम यादव देवरी, आरंग द्वारा प्रस्तुत किया। पश्चात् बेलटूकरी के देवलाल साहू द्वारा जसगीत झांकी की शानदार प्रस्तुति दी। कलाकारों ने मयूर के वेश में हूबहू मयूर ही दिख रहे थे। जैसे ही इन्होंने नृत्य करना शुरू किया तो दर्शक ताली बजाकर उत्साहवर्धन करते रहे। इनकी प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

कोलियारी लखना के नंद कुमार विश्वकर्मा की रामायण मंडली ने रामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों पर शानदार व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि राम का चरित्र आज भी प्रासंगिक है। रामायण जीवन जीने की कला सिखाती है इसमें जीवन के सारे रहस्य छिपे हुए है। मधुर भजनों ने मनमोह लिया। धौराभांठा के लखनलाल यादव की पंडवानी ने महाभारत प्रसंग पर प्रस्तुति दी। संकरी धमतरी के लोकमंच के कलाकार जीवन लाल साहू ने छत्तीसगढ़ी गीतों के साथ ही धार्मिक भजनों की प्रस्तुति देकर भावविभोर कर दिया। रामधुनी के कलाकार उत्तम साहू हसदा अभनपुर ने बताया कि पहली बार राजिम पुन्नी मेला में प्रस्तुति दिये है। आज जो खुशी हुई है, वह कभी नहीं हुई थी। राज्य सरकार ने मंचीय प्रस्तुति में अवसर देकर गांव के कलाकारों का सम्मान किया है। उनके द्वारा रामधुनी के माध्यम से छत्तीसगढ़ के पारम्परिक लोक गीत गौरा-गौरी, कर्मा, सुआ, ददरिया, पंथी, राउत नाचा आदि की झलकियां दिखाई गई। उत्तम साहू ने बताया कि उनके टीम में कुल 17 कलाकार है तथा पिछले 20 सालों से वह रामधुनी की प्रस्तुति देते आ रहे है।

बरोंडा के धन्नु निर्मलकर ने धरा शिवशंकर का वेश

राजिम माघी पुन्नी मेला के शुरूआत में ही कई रंग देखने को मिले। सुबह से ही छोटी-छोटी बच्चियों के द्वारा मां दुर्गा, मां काली, मां लक्ष्मी के वेश धारण कर कुलेश्वरनाथ महोदव मंदिर के आस-पास विचरण कर रहे थे। लोग श्रद्धावश उनके पात्र में चांवल एवं रूपये पैसे समर्पित कर रहे थे। कई ऐसे भक्त थे, जो उनके चरण छुकर प्रमाण भी किये।

अपरान्ह 2 बजे बरोंडा निवासी धन्नु निर्मलकर शिवशंकर का वेश बनाकर मेले का भ्रमण कर रहे थे। तन पर बाघम्बर पहने हुए गले में नकली सर्प को लपेटे तथा सिर पर जटाजुट एवं चंद्रमा को धारण किये हुए थे। हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे हाथ में डमरू हूबहू महादेव दिख रहे थे। दूसरी ओर उनके मूंछ व दाढ़ी शिवजी के स्वरूप पर चारचांद लगा रहे थे।

उन्होंने बताया कि राजिम मेला में इस रूप में पहली बार भ्रमण कर रहा हूं। लोगों में श्रद्धा इस कदर है कि मुझे देखते ही हर-हर महादेव का जयघोष करते है। महादेव के नाम उच्चारण सुनकर मुझे बहुत खुशी लगी।

माघी पुन्नी मेला में छात्रों ने मास्क लगाओ जागरूकता रैली निकाली

राजिम। माघी पुन्नी मेला के प्रथम दिवस पर राजीव लोचन स्नातकोत्तर महाविद्यालय के यूथ रेडक्रास सोसायटी के प्रभारी रोमनलाल साहू और संगीता झा के नेतृत्व में 40 छात्र-छात्राओं ने मेला परिसर में घूम-घूमकर मास्क लगाओं और मेला देखो, मास्क नहीं तो राजिम मेला नहीं, ऐसे नारा लगाते हुए जागरूक कर रहे थे। मेला घूमने पहुंचे कुछ लोग मास्क रखे थे, लेकिन मुंह को ढंके नहीं थे, उनकी आवाज को सुनकर तत्काल मास्क से अपने मुंह को ढंके और जिनके पास मास्क नहीं थे उन्हें मास्क दिया गया। छात्र जयंत सेवई, रेमण्ड कुमार, जान्हवी साहू, गुंजा साहू, हर्षा वर्मा, देवश्री साहू, पूरन कुमार तारक, माधुरी सोनकर, द्रोणाचार्य, डोमेष्वर ध्रुव आदि ने लोगों को मास्क की उपयोगिता बताकर समझाईस देते हुए कहा कि अभी कोरोना संक्रमण कम जरूर हुआ है, लेकिन पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। इसलिए हमें मास्क का उपयोग सभी जगह करना चाहिए। ऐसा न सोचे की हम तो भीड़-भाड़ वाले ईलाके में नहीं जा रहे है और जहां भी जाए, वहां मास्क लगाकर ही जाए। तभी हम कोरोना की लड़ाई जीत सकते है।

ग्रामीणों के आमंत्रण पर एसपी गिरिजा शंकर जायसवाल अपने टीम के साथ पहुंचे अबूझमाड़ के रायनार, मिले ग्रामीणों और बच्चों से

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। आज दिनाँक 16.02.2022 को अबूझमाड़ के ग्रामीणों के अनुरोध पर एसपी नारायणपुर गिरिजा शंकर जायसवाल रायनार पहुँचे, जहाँ उन्होंने सोनबट्टी, धनोरा, धुरी, राजपुर, तिरंगई, चमेली, पेडमापाल, मडनार, टेकानार और रायनार सहित दर्जनों गाँव के ग्रामीण, महिलाओं और बच्चों से मिले। इस दौरान लोगों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों से मिलकर चर्चा की तथा उनके समस्याओं को जानकर निराकरण के लिए आश्वासन दिया।

युवाओं और बच्चों की माँग पर एसपी श्री जायसवाल ने उन्हें खेल सामग्री, ट्रेकशूट और नगद राशि वितरित किये। युवाओं की माँग पर शीघ्र ही जिला स्तर पर खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ओरछा के युवाओं और बच्चों को प्राथमिकता के साथ विशेष सुविधाएँ भी मुहैया कराया जाएगा।

श्री जायसवाल ने मित्र पुलिसिंग की ध्येय से भयमुक्त वातावरण निर्माण करने के लिए जवानों की ओर से विश्वास दिलाया तथा उन्हें बताया कि पुलिस और केंद्रीय बल के जवान आपकी सुरक्षा और सुविधा के लिए तैनात किए गए हैं जो आपके लिए हर स्थिति में बेहतर करने के लिये निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे। एसपी को अपने बीच पाकर स्थानीय नागरिक, महिलाएं, युवा और बच्चे अत्यंत खुश हुए।

रायनार से ग्रामीणों से मिलने के बाद श्री जायसवाल ने बरसात में नदी के बहाव में डूबने और ओरछा लोगों के मार्ग को प्रभावित करने वाली पूल पुलिया को शीघ्र ही उन्नत करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान उन्होने पिनगुड़ानाला पर बने पूल का निरीक्षण भी किया। इसदौरान एएसपी नीरज चंद्राकर, एसडीओपी अभिषेक पैकरा, डीएसपी विनय साहू, डीएसपी अनिल कुर्रे, आरआई दीपक साव और थाना/केम्प प्रभारियों के साथ पीडीएस के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

चिरायु टीम करेगा बच्चों का बेहतर इलाज

कलेक्टर ने चिरायु टीम की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के सभी विकास खंड के चिरायु टीम की समीक्षा ली। उन्होंने चिरायु टीम द्वारा बच्चों को स्वास्थ्य उपचार किए जा रहे चिकित्सीय उपचार की जानकारी ली। उन्होंने जिले के सभी स्कूलों के बच्चों, आंगनबाड़ी केंद्रों में सिकल सेल, आंख, दांत रोगी, कान रोगी, एनीमिया बीमारियों का पहचान कर सभी चिरायु टीम को बच्चों का बेहतर इलाज करने व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीएमएचओ डॉ आर एस सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग चंद्रबेस सिसोदिया, श्रम पदाधिकारी घनश्याम पाणिग्रही एवं चिरायु टीम के सभी डॉक्टर्स उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ सिंह ने सभी चिरायु टीम को धरातल की वास्तविक समस्याओं से अवगत होकर आपसी समन्वय कर बेहतर चिकित्सीय उपचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में निर्धारित कार्यक्रम बनाकर संबंधित संस्थान के संस्था प्रमुख को जानकारी देकर स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए । उन्होंने चिरायु टीम को जिले के संकुल समन्वयक, बी ई ओ के फोन नंबर कंट्रोल कॉल सेंटर को उपलब्ध कराने निर्देशित किया जिससे संबंधित संकुल समन्वयक, बी ई ओ को चिरायु टीम द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य उपचार कार्यक्रम की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जा सके। गौरतलब है कि चिरायु टीम द्वारा स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों की बच्चों का सिकल सेल, आंख, ताल, दांत रोगी, एनीमिया एवं हिमोग्लोबिन की जांच कर स्वास्थ्य उपचार किया जाता है। कलेक्टर ने जिन बच्चों का आंख से संबंधित समस्या है।

तेन्दूपत्ता शाखकर्तन कार्य शुरू, मार्च के मध्य तक चलेगा काम

कोरबा। पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी शाखकर्तन का कार्य तेंदूपत्ता की अच्छी गुणवत्ता के लिये समस्त स्तर के वन अधिकारियों- कर्मचारियों एवं प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों के पर्यवेक्षण में किया जायेगा । इस वर्ष तेंदूपत्ता संग्रहण काल के पूर्व शाखकर्तन का कार्य संग्रहण क्षेत्रों में शुरू हो गया है। शाखकर्तन का कार्य मार्च माह के मध्य तक सम्पादित किया जाएगा। कटघोरा वनमंडल के अन्तर्गत वर्ष 2022 में 78 हजार 500 मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण लक्ष्य रखा गया है । वनमंडल के अन्तर्गत आने वाली 44 समितियों में 39 समितियों का अग्रिम विक्रय हो चुका है।

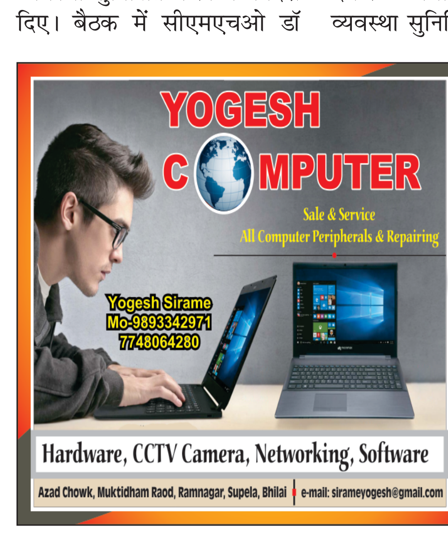

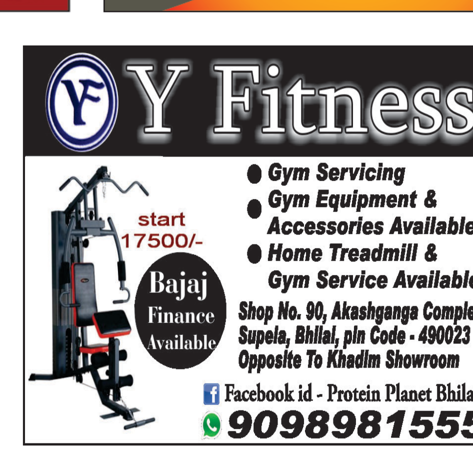

खास-खबर

वैलेंटाइन डे पर प्रेमी ने मिलने के लिए बुलाया तो घर से भाग निकली आठवीं की छात्रा

बिलासपुर (ए)। इंस्टाग्राम में जान-पहचान के बाद आठवीं की छात्रा झारखंड के बोकारो में रहने वाले युवक से प्यार करने लगी। वैलेंटाइन डे के दिन छात्रा स्कूल जाने के नाम पर यूनिफॉर्म पहनकर घर से भाग निकली। छात्रा ट्रेन पकड़कर सीधे रायगढ़ पहुंच गई। यहां पर युवक उससे मिलने के लिए नहीं आया। इस पर छात्रा दो दिन तक रेलवे स्टेशन में ही भटकती रही। इधर स्वजन उसकी तलाश कर रहे थे। स्वजन की शिकायत पर पुलिस भी छात्रा की तलाश कर रही थी। जांच के बाद पुलिस ने छात्रा को रेलवे स्टेशन से खोज निकाला। उसे स्वजन के हवाले कर दिया गया है।

चकरभाठा क्षेत्र में रहने वाली आठवीं की छात्रा 14 फरवरी को घर से स्कूल जाने के नाम पर निकली थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। देर शाम तक उसके नहीं आने पर स्वजन जान-पहचान वालों के यहां उसकी तलाश कर रहे थे। रातभर नाबालिग का पता नहीं चलने पर मंगलवार को स्वजन चकरभाठा थाने पहुंचे। स्वजन की शिकायत पर पुलिस अपहरण का मामला दर्ज कर इसकी जांच में जुट गई। उसकी सहेलियों से पूछताछ में पता चला कि इंस्टाग्राम में छात्रा की बातचीत झारखंड के बोकारो में रहने वाले एक युवक से होती है।

युवक ने उसे वैलेंटाइन डे पर मिलने के लिए बुलाया है। इस पर पुलिस ने उसके मोबाइल का काल डिटेल निकलवाया। छात्रा के मोबाइल नंबर के आधार पर उसका लोकेशन रायगढ़ में मिला। पुलिस की एक टीम को रायगढ़ रवाना किया गया। रायगढ़ में तलाश के दौरान नाबालिग रेलवे स्टेशन में भटकती हुई मिल गई। पुलिस की टीम उसे अपने साथ लेकर आ गई है। पूछताछ के बाद छात्रा को स्वजन के हवाले कर दिया गया है।

युवक की हो रही तलाश

चकरभाठा थाना प्रभारी मनोज नायक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। छात्रा के मोबाइल से युवक के इंस्टाग्राम अकाउंट की जानकारी ली गई है। युवक की तलाश की जा रही है। जांच में युवक के खिलाफ तथ्य मिलने पर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा अन्य जानकारी भी ली जाएगी।

वेलेंटाइन डे के 3 दिन बाद दंपती ने दी जान

दोपहर में महिला ने खुदकुशी की, 10 घंटे बाद पति का भी पेड़ से लटका मिला शव

कांकेर (ए)। कांकेर में वेलेंटाइन डे के तीन दिन बाद दंपती ने फांसी लगाकर जान दे दी। पहले पत्नी ने घर में खुदकुशी की। फिर 10 घंटे बाद पति का भी शव पेड़ से लटका मिला। दोनों ने जान क्यों दी, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस इसे खुदकुशी ही मान रही है, लेकिन उनके पास भी अभी इस सवाल का जवाब नहीं है। दोनों ने करीब 3 साल पहले लव मैरिज की थी। मामला कांकेर कोतवाली क्षेत्र का है।

कोंडागांव के लंजोड़ निवासी सत्या मेश्राम (25) अपनी पत्नी सीमा मेश्राम (23) के साथ मनकेसरी गांव में किराए से कमरा लेकर रहता था। वह मंगलवार को अपने काम से गया था। घर में उसकी पत्नी थी। दोपहर में बाहर खेल रहे पड़ोसी के बच्चों ने सीमा को कमरे में लटकते देखा। सत्या को सूचना मिली तो वह भी पहुंच गया। उसने फंदे को चाकू से काटा और सीमा को लेकर अस्पताल पहुंचा। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पत्नी के शव को मॉर्च्युरी में रख देर रात तक बाहर बैठा रहा

सूचना मिलने पर पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई। उसने सत्या से पूछताछ की, लेकिन पत्नी की खुदकुशी का कारण नहीं बता सका। उसने दोनों के बीच किसी तरह के लड़ाई-झगड़े या विवाद की बात से भी इनकार कर दिया। इसके बाद सत्या ने ही सीमा के शव को मॉर्च्युरी में रखा और खुद बाहर आकर बैठ गया। बताया जा रहा है कि रात करीब 9 बजे तक सत्या मॉर्च्युरी के बाहर ही बैठा था, फिर अचानक से गायब हो गया।

सुबह मकान के पीछे पेड़ से लटका सत्या का भी शव मिला

आसपास के लोगों ने रात में उसकी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। उसका मोबाइल नंबर भी बंद था। अगले दिन सुबह ग्रामीणों ने उसका शव मकान के पीछे ही एक पेड़ से फांसी पर लटका देखा। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी। थाना प्रभारी शरद दुबे ने बताया जांच में पता चला है कि तीन साल पहले दोनों ने प्रेम विवाह किया था। इसके बाद से वे मनकेसरी में रहते हुए मजदूरी करता था। दोनों के बच्चे नहीं है।

भाजपा कार्यालय में गोली मारकर खुदकुशीः रायपुर के एकात्म परिसर में तैनात पुलिसकर्मी ने सर्विस रायफल से चलाई गोली

रायपुर (ए)। रायपुर के भाजपा प्रदेश कार्यालय, एकात्म परिसर की सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी ने खुदकुशी कर ली है। पुलिस जवान ने ड्यूटी के दौरान ही अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। घटना रात 8 बजे की है। गोली लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसका शव कब्जे में लिया।

वह एकात्म परिसर के भीतर भाजपा मुख्यालय में बने क्वार्टर में रहता था। मुख्य द्वार के पास गार्ड रूम है। उसने वहीं खुदकुशी की। उस समय गार्ड रूम में कोई नहीं था। चारों जवान बाहर तैनात थे। धमाके की आवाज सुनकर जवान भागकर भीतर पहुंचे। कमरे में हवलदार की खून से लथपथ लाश पड़ी थी। आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी प्रशांत अग्रवाल एडिशनल एसपी सिटी तारकेश्वर पटेल सहित एक दर्जन आला अफसर आनन-फानन में वहां पहुंच गए थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि 4 फरवरी को कांकेर कोरर स्थित अपने घर से लौटा था। राजकुमार की सास और ससुर की मृत्यु हाल ही में हुई है। 17 फरवरी को उनका दशगात्र है। बुधवार को वह सुबह से तनाव में था। उसकी स्थिति देखकर जवानों ने उसकी सर्विस रायफल गद्दे के नीचे गार्ड रूम में छिपा दी थी।

बताया जा रहा है, मूल रूप से कांकेर निवासी राजकुमार नेताम छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की चौथी बटालियन में तैनात थे। उनकी ड्यूटी रजबंधा मैदान स्थित भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर की सुरक्षा में लगाई गई थी। गार्ड रूम के पिछले हिस्से में पुलिस जवानों के रहने की जगह दी गई थी।

भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री अकबर अली ने कहा कि कार्यालय से सभी नेता जा चुके थे, इसके बाद अचानक इस घटना की जानकारी मिली। मौके पर पुलिस की टीम पहुंची है। बताया जा रहा है कि मानसिक तौर पर परेशान होने की वजह से जवान ने खुदकुशी जैसा यह कदम उठाया होगा। फिलहाल छानबीन की जा रही है। पुलिस की SFL टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। बाद में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस अधिकारियों ने बताया, जवान ने सर्विस राइ॥ल की नाल अपनी ठुड्ढी पर लगाकर गोली चलाई है। दो गोलियां चलने की बात सामने आ रही है। इसमें से एक गोली उसके सिर को छेदते हुए छत में धंसी पाई गई। पुलिस ने एक खोखा रिकवर किया है। अधिकारियों ने बताया, घटना स्थल अथवा मृतक जवान के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसकी वजह से आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं है। मृतक के परिजनों से भी पुलिस अब तक बात नहीं कर पाई है।

बीच रास्ते में मारपीट करने वाले पकड़े गए

युवक पर चाकू से भी किया था हमलाकर फिर दूसरे जिलों में छिपे थे

भिलाई (ए)। दुर्ग पुलिस ने बाइक सवार दो लोगों के ऊपर जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। आरोपी 13 फरवरी की रात घटना के बाद से फरार थे। सुपेला पुलिस उनके खिलाफ धारा 307 के तहत मामला दर्ज कर तलाश कर रही थी।

सुपेला टीआई सुरेश ध्रुव ने बताया कि 13 फरवरी की रात 9 बजे कृष्णा नगर सुपेला निवासी मनीष वर्मा अपने साथी के साथ बाइक से कोहका गया था। वहां से लौटते समय जैसे ही वह गणेश चौक सुपेला पहुंचा वहां दो लड़कों ने उन्हें रोक लिया। वहां कुछ और लड़के थे, जो किसी का बर्थडे पार्टी मना रहे थे। दोनों लड़कों ने मनीष वर्मा की बाइक रुकवाकर बहुत तेज गाड़ी चलाता है कहकर उससे गाली गलौज करने लगे। मनीष और उसके साथी ने जब उनका विरोध किया तो उन लड़कों ने नशे में धुत होकर उनके साथ मारपीट करने लगे। इसी दौरान धीरज महानंद उर्फ टकली और बलवंत सिंग उर्फ बबलू नाम के दो लड़कों ने मनीष वर्मा को पकड़ लिया और चाकू निकालकर उसके जांघ में घुसा दिया। चाकू लगने से मनीष मौके पर ही बेहोश होकर गिर गया। यह देख धीरज और बलवंत वहां से फरार हो गये।

इसके बाद मनीष के साथी ने फोन पर घटना की जानकारी परिजनों को दी। फिर उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल दुर्ग ले जाया गया। वहां मनीष की हालत गंभीर होने से डॉक्टरों ने उसे मेकाहारा रायपुर रेफर कर दिया गया। मनीष अभी भी मेकाहारा में उपचाराधीन है और उसकी हालात नाजुक बनी हुई है।

पुलिस से छिपते फिर रहे आरोपी

टीआई सुरेश ध्रुव ने बताया कि उन्होंने एक टीम गठित करके संजय नगर सुपेला निवासी धीरज (19 साल) और न्यू कृष्णा नगर श्याम चौक सुपेला निवासी बलवंत सिंह (22 साल) की पतासाजी शुरू की। पुलिस को आता देख वह लोग वहां से फरार हो गए। और अलग-अलग जिलों में जाकर छिप गए। इसके बाद पुलिस ने उनके मोबाइल लोकेशन सर्च कर बुधवार को गिरफ्तार किया। इसके बाद उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया गया है। आरोपी धीरज महानंद उर्फ टकली के खिलाफ पहले भी मारपीट के कई मामले दर्ज है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड-बेमेतरा (छ.ग.)

Phone NO. : 07824-222118 email : eebem-phe-cg@nic.in

निआसू.क्र.306/तशा/का.अ./लो.स्वा.यां.खंड/2022 बेमेतरा, दिनांक 14.02.2022

मैनुअल पद्धति द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'F' में निम्नांकित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

समूह क्रमांक	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रू. में)
1	Repairing horizontal split casing centrifugal pumping sets filter plant.	707275.00
2	Filter plant Equipment & cable, panel, slues valve etc.	818190.00
3	Equipments Fitting & Repairing work at intake well.	523060.00
4	02 Nos 33/0.415kv-200kva indor type transformer and complete electric fitting for sub station WTP.	1638980.00

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 22.02.2022 संध्या 5.30 बजे तक है तथा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में भरे हुए निविदा प्रपत्र दिनांक 25.02.2022 को संध्या 5.00 बजे तक स्पीड पोस्ट द्वारा स्वीकार किये जा सकेंगे। उपरोक्त कार्य की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज, निविदा का विस्तृत विवरण व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट https://phed.cg.nic.in/eproject/nit/ में दिनांक 22.02.2022 को संध्या 5.30 बजे तक देखी जा सकती है।

जी-67889/4

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
बेमेतरा (छ.ग.)

महिला सोती रही, गले से चुरा लिया हारः दुर्ग में पारधी गिरोह के 7 सदस्य गिरफ्तार

भिलाई (ए)। दुर्ग पुलिस ने पारधी गिरोह के 7 सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। यह गिरोह पूरे जिले में सक्रिय था और चोरी व सेंधमारी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। पुलिस को अंडा थाना क्षेत्र स्थित मेडिकल स्टोर में हुई सेंधमारी के बाद आरोपियों की लीड मिली थी। पुलिस ने आरोपियों के पास 26 मोबाइल, 4 बाइक और 4 साइकिल सहित लगभग 4 लाख का माल जप्त किया है।

एएसपी ग्रामीण अनंत कुमार ने बताया कि 9 दिसंबर 2021 की रात अंडा थाना अंतर्गत अटल चौक स्थित अमित मेडिकल स्टोर में रोहित पारधी (23 साल) ने सेंधमारी करके 8 हजार रुपए की चोरी की थी। इस दुकान में सीसीटीवी कैमरा लगा था, जिसमें उसकी पूरी हरकत कैद हो गई। अगली सुबह मेडिकल स्टोर संचालक की शिकायत पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक किया तो उन्हें रोहित का चेहरा तो नहीं दिखा, लेकिन उसकी जैकेट और स्कार्फ के आधार पर उसकी जांच की गई।

जांच के दौरान उन्हें पता चला कि यह पारधी गिरोह का काम है। पुलिस जांच कर ही रही थी कि मंगलवार को उतई टीआई नवी मोनिका पांडेय ने पारधी गिरोह का एक आरोपी को चोरी का मोबाइल बेचते हुए गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उस आरोपी की निशानदेही पर उसके तीन अन्य साथियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में इन लोगों ने अपने दूसरे गिरोह के बारे में जानकारी दी।

घर में सोती रही महिला और पार हो गया गले से हार

पुलिस के मुताबिक घरों व दुकानों में चोरी करने वाले पारधी गिरोह के सदस्य रोहित पारधी व उसके साथी चोरी में काफी एक्सपर्ट हैं। उन्होंने उतई के ढोर गांव में एक में चोरी की थी। घर के अंदर महिला सो रही थी। इन्होंने इतनी सफाई महिला के गले से सोने का हार चोरी किया कि उसे पता ही नहीं चला और वह सोती रह गई। इसी तरह इसी गिरोह ने अंडा थाना क्षेत्र में एक मेडिकल दुकान में सेंधमारी की। पेचकस की मदद से दराज को खोला और उसमें रखे 8000 रुपए पार कर दिए।

एसडीओपी देवांश राठौर तुरंत अपनी टीम को लेकर गनियारी गांव पहुंचे। यहां इन्होंने पूरे गांव सर्चिंग अभियान चलाया और पारधी मोहल्ले में हर एक घर की तलाशी ली। कई घंटे की कार्रवाई के बाद उन्हें एक घर में रोहित पारधी वहीं जैकेट पहने मिल गया, जो उसने मेडिकल स्टोर में चोरी के दौरान पहनी थी। पुलिस को उस पर शक हुआ तो पूरे घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उन्हें उसका वहीं स्कार्फ मिला जिससे उसने अपने चेहरे को ढका था। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने अपने दो दोस्तों के साथ चोरी की घटना को करना स्वीकार करिया।

ये आरोपी गिरफ्तार

उतई टीआई ने बाइक व मोबाइल चोर गिरोह के सरगना कैलाश पारधी सहित उसके साथी किशन पारधी, रमेश पारधी, राजेश पारधी को गिरफ्तार किया। वहीं पारधी मोहल्ले से सेंधमारी करने वाले मास्टरमाइंड गिरोह के सरगना रोहित पारधी सहित उसके साथी नन्द किशोर पारधी और अश्वनी पारधी को गिरफ्तार किया। इस तरह पुलिस ने पारधी गिरोह के कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई।

Authorised For : SOMANY
Wall & Floor Tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

नये लुक एवं वैरायटी में सागौन लकड़ी द्वारा निर्मित
अरिहंत फर्नीचर शो रुम | नमन सेल्स फर्नीचर शो रुम
20% डिस्काउंट के साथ उपलब्ध
• सागौन निर्मित इण्डियन मॉडल, वॉल मॉडल, डी मॉडल गुजराती सोफा
• लकड़ी सोफा 9500/- से शुरू (वारंटी के साथ)
• लकड़ी पलंग हाई क्वालिटी के साथ
• स्टील आलमारी आटोमेटिक प्लांट द्वारा निर्मित, भट्टी पेंट वाली
• कम्प्यूटर टेबल, ऑफिस टेबल, डेनिंग टेबल कम्प्यूटर चेयर ऑफिस चेयर इत्यादि की वैरायटी
आजाद मार्केट, रिसाली
(भिलाई मसाला उद्योग के पीछे), भिलाई, मो. 9424151009, 9301188428

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान हाई स्कूल के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

MemSaheb
JOCKEY UNDERWEAR IS OUR PASSION
Ladies wear
JULIET
Shop No. 57,
A Market, Sec-6 Bhilai
Om Prakash
9926004441,
0788-2284341

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
• गाऊन
• ब्रा. पेन्टी
• नाईटी
• ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

न्यू अप्सरा साड़ी सेन्टर
घाघरा, चुन्नी, कुर्ती, डिजाइनर साड़ियां सलवार सूट
सेल्स गर्ल की आवश्यकता है
शॉप 151, ए-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन-2284063

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

स्टील मेल्टिंग शॉप-3 ने 65 हीट का दैनिक उत्पादन कर बनाया नया रिकॉर्ड

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मॉडेक्स इकाई स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एसएमएस-3) ने दैनिक उत्पादन का एक और नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 15 फरवरी, 2022 को 65 हीट का दैनिक उत्पादन कर नया रिकॉर्ड बनाने में कामयाबी हासिल की। 15 नवम्बर, 2021 को एसएमएस-3 ने 64 हीट का रिकॉर्ड दैनिक उत्पादन करने में सफल हुआ था जिसे 15 फरवरी, 2022 को 65 हीट का इस्पात उत्पादन कर पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। सेल-बीएसपी के निदेषक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेषक (वर्क्स), अंजनी कुमार ने स्टील मेल्टिंग शॉप-3 का दौरा कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एसएमएस-3 बिरादरी और संबंधित विभागों के सदस्यों को बधाई दी। ज्ञात हो कि एसएमएस-3, मॉडेक्स इकाई बार एंड रॉड मिल एवं संयंत्र के मर्चेंट मिल तथा वायर रॉड मिल को कास्ट बिलेट आपूर्ति करती है।

गरीबी उपशमन एवं सामाजिक कल्याण विभाग के सलाहकार समिति की हुई बैठक

भिलाई। गरीबी उपशपन एवं समाजिक कल्याण विभाग के सलाहकार समिति की बैठक हुई जिसमें महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई एवं आगामी समय में निगम क्षेत्र अंतर्गत पेंशनधारी को सुवधिा तथा जरूरतमंदो की सहायता करने संबंधी सलाहकार समिति के सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव दिए तथा रणनीति बनाकर प्लानिंग तैयार करने पर चर्चा की गई। बैठक में गरीबी उपशमन एवं सामाजिक कल्याण विभाग के प्रभारी चंद्रशेखर गंवई विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि महापौर नीरज पाल के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग के द्वारा निगम क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जाना है। बैठक में सलाहकार समिति के सचिव अजय शुक्ला ने विभाग के अंतर्गत संचालित कार्यो के बारे में विस्तृत जानकारी सभी सदस्यों के समक्ष दिए।

सिद्ध श्री बाबा बालकनाथ जी के 58वॉं महायज्ञ के कार्यक्रम की रूपरेखा

भिलाई। भगत मस्ताना एवं सेवाराम की अध्यक्षता में श्री बाबा बालकनाथ कमेटी खुर्सीपार, भिलाई की आवश्यक बैठक हुई। बैठक में 58वॉं महायज्ञ मनाये जाने के उपलक्ष्य में बाबा बालकनाथ महायज्ञ कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। बनाये गये रूप रेखा के अनुसार 11 मार्च को प्रात: 7 बजे झंडा फेरी का आयोजन किया गया है जिसके तहत झंडा फेरी मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर श्रीरामचौक से दुर्गा मंदिर कालोनी,केनाल रोड होते हुए न्यू खुर्सीपार में प्रवेश कर बाबा स्वीटस के मिलन चौक होते हुए पड्डा निवास और केनाल रोड आईटीआई के पीछे से जो 1 शिवालय मंदिर के सामने से एनपीआर रोड होते हुए वापस मंदिर प्रांगण वापस पहुंचेगी। इसके अलावा 13 मार्च को दोपहर 12.10 बजे से शाम 6 बजे तक महाभंडारा, होगा इस दौरान प्रसिद्ध विजय रतन शर्मा चड़ीगढ़ द्वारा भजन की प्रस्तुति दी जायेगी एवं पूर्णाहुति 14 मार्च को दोपहर 12.30 से भजन कीर्तन एवं संध्या 5 बजे से 21 कुण्डीय महायज्ञ के साथ तीन दिवसीय महायज्ञ का कार्यक्रम का समापन होगा।

शंकरा महाविद्यालय में महिलाओं की भूमिका पर किया गया व्याख्यान का आयोजन

भिलाई। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जूनवानी भिलाई की महिला प्रकोष्ठ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला एवं बालिका विज्ञान दिवस के दिन विज्ञान के जगत में महिलाओं की भूमिका पर अतिथि व्याख्यान श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जूनवानी भिलाई की महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजन किया गया । इस व्याख्यान में अतिथिवक्ता के रूप में डॉ मीना चक्रवर्ती सहायक प्राध्यापक, रसायन शास्त्र शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी, दुर्ग उपस्थित रही। डॉ मीना चक्रवर्ती ने अपने वक्तव्य में कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी कम है।

एस.आर.हॉस्पिटल के 7 विभिन्न विभाग के डॉक्टरों द्वारा ऑपरेशन कर नवयुवक रोमेन्द्र की बचाई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एस.आर. हॉस्पिटल चिखली दुर्ग के डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफकी टीम ने 24 वर्षीय नव युवक की जान बचाई। 3 फरवरी 2022 को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल ग्राम कटोरा जिला राजनांदगांव निवासी नवयुवक राजेंद्र जंघेल,पिता दुकालु राम सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होकर इलाज के लिए एस.आर. हॉस्पिटल चिखली दुर्ग मैं भर्ती हुआ। मरीज के दाहिने हांथ की दोनों हड्डी टूट गई थी एवं सिर में गंभीर चोट लगी थी एवं बांई आँख बुरी तरीके से जख्मी हो कर लहूलुहान हो गई थी।आंखों के आसपास के हिस्से के मांसपेशी एवं चमड़ी क्षतिग्रस्त हो गई थी। दुर्घटना में नाक में साइनस के पास की हड्डी भी टूट गई थी। आंखों एवं चेहरे में अत्यधिक सूजन होने के कारण आँख नहीं खुल रही थी । मरीज भर्ती के वक्त पूर्ण रूप से बेहोश था। सभी विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीज का ऑपरेशन एक ही समय में एक साथ मिलकर किया।

खैरागढ़ के आसपास मरीज सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुआ। मरीज के परिजनों द्वारा इलाज हेतु मरीज को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया । मरीज की अत्यंत गंभीर स्थिति देखकर वहां से डॉक्टरों ने मरीज को बेहतर इलाज के लिए हायर ट्रामा सेंटर रिफर कर दिया। जिसके बाद मरीज के परिजन एस.आर. हास्पिटल चिखली दुर्ग में बेहतर इलाज के लिए गंभीर अवस्था में मरीज को लेकर आए।

मरीज का तत्काल सिटी स्कैन, एक्सरे व अन्य सभी जांच किया गया। जांच की रिपोर्ट में पाया गया की एक्सीडेंट होने की वजह से सर में गंभीर चोट लगी है सर के अंदर खून जमा हो गया है दाएं हाथ की दोनों हड्डियां टूट गई हैं। नाक की हड्डी टूट गई है। बाई आंख बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं । एक्सीडेंट होने के कारण शरीर से बहुत ज्यादा खून बह गया है। डॉक्टरों की टीम के द्वारा मरीज की जान बचाने के लिए तत्काल ऑपरेशन करने का निर्णय लिया गया। मरीज के परिजनों को मरीज की गंभीर स्थिति के बारे में बताया गया। मरीज के परिजनों ने तत्काल ऑपरेशन करने की सहमति प्रदान की। मरीज को तत्काल ऑपरेशन थिएटर में शिफ्ट कर ऑपरेशन करने की तैयारी शुरू कर दी गई। अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा तत्परता दिखाई गई। तत्काल खून की व्यवस्था कर मरीज को खून चढ़ाया गया । ऑपरेशन में न्यूरो सर्जन डॉ. विवेक , हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक सिन्हा, प्लास्टिक सर्जन डॉ. विश्वामित्र दयाल, वैस्कुलर सर्जन डॉ रंजन सेन गुप्ता,निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. पवन देशमुख, रेटीना सर्जन डॉ छाया भारती, ई.एन.टी. सर्जन डॉ अंकिता जोशी एवं ओ.टी.टेक्नीशियन हरी साहू, अरविंद अग्रहरि,सीमा बरहरे, योगेश साहू,सुखनंदन बंजारे, मनोहर डोंगरे,उमा साहू उपस्थित थी । ऑपरेशन लगातार 6 घंटे चला । सफल ऑपरेशन के बाद मरीज की जान बचाई जा सकी मरीज को आई.सी.यू. में वेंटिलेटर स्पोर्ट पर रखा गया। बेहतर इलाज से मरीज की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आने लगा । कुछ दिनों बाद मरीज होश में आ गया सभी को पहचानने लगा एवं स्वयं से खानपान भी करने लगा।

मरीज अब पूर्णत: स्वस्थ है। मरीज को डॉ अश्वनी शुक्ला डॉ नीलम चंद्राकर डॉ हिमांशु चंद्राकर डॉ रजत डेहरिया डॉ संदीप ओझा डॉ सौरभ एवं नर्सिंग स्टाफ अपर्णा,सीमा,प्रतिमा,पुष्पलता,खोंमेश्वरी,ि तरूबाला ,सुचित्रा, ममता,उषा,सरिता अन्य द्वारा सेवाएं प्रदान की मरीज के पिता श्री दुकालू राम ने भाव विभोर होकर हमारे प्रतिनिधि को बताया कि हम सभी परिवार के लोग निराश हो गए थे। एस.आर. हॉस्पिटल के डॉक्टर एवं नर्स मेरे एवं मेरे परिवार के लिए भगवान है सबने मिलकर मेरे बेटे की जान बचा ली। बताया कि इलाज बहुत अच्छा है। इलाज में पैसा भी कम लगा है। अस्पताल के रेटिना सर्जन डॉ छाया भारती ने जानकारी देते हुए बताया कि एक्सीडेंट में मरीज को चेहरे एवं बाय आंख में भी गंभीर चोट लगी थी ।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में भिलाई को नंबर वन बनाने एसबीएम इंजीनियर की हुई नियुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

सभी जोन से एक-एक इंजीनियर स्वच्छ सर्वेक्षण की गाइडलाइन अनुरूप करेंगे काम

भिलाई। स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में भिलाई निगम को स्वच्छता रैंकिंग में नंबर वन बनाने के लिए एसबीएम इंजीनियर की नियुक्ति आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने कर दी है। इसमें निगम के प्रत्येक जोन से एक-एक उप अभियंता को शामिल किया गया है, यह अभियंता स्वच्छ सर्वेक्षण की गाइडलाइन के तहत स्टार रेटिंग, ओडीएफप्लस प्लस एवं वाटर प्लस प्लस के दिशा निर्देश अनुरूप कार्य का संपादन करेंगे।

इसके अतिरिक्त जोन में स्थित समस्त सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों का संधारण कार्य किया जाकर स्वच्छ सर्वेक्षण एवं ओडीएफप्लस प्लस के दिशा निर्देश अनुसार, जोन में स्थित बड़े नालों एवं नालियों में सीटी प्रोफाइल अनुसार लोहे की जाली लगाया जाना, सिटी प्रोफाइल अनुसार जोन में स्थित समस्त सार्वजनिक क्षेत्र, व्यवसायिक क्षेत्र, रहवासी क्षेत्र, उद्यान, बल्क वेस्ट जनरेटर, डंपसाइट, तालाबों में संकेतिक बोर्ड लगाए जाने का काम तथा जोन में स्थित मुख्य मार्गों पर रोड मार्किंग जेबरा क्रॉसिंग इत्यादि का कार्य करेंगे। एसबीएम इंजीनियर की टीम में नेहरू नगर जोन से उप अभियंता श्वेता वर्मा, वैशाली नगर जोन से निकहत शबरीन, मदर टैरेसा नगर जोन से प्रिया खैरवार, शिवाजी नगर जोन से चंद्रकांत साहू एवं सेक्टर 5 जोन कार्यालय से श्वेता महेश्वर को नियुक्त किया गया है। इन सभी अभियंताओं को जारी आदेश के अनुसार पालन करने कहा गया है।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सलाहकार समिति की हुई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम मुख्यालय में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में प्रभारी मालती ठाकुर विशेष रूप से मौजूद रही। इस विभाग के माध्यम से नगर पालिक निगम भिलाई के नागरिकों को किस प्रकार से योजना से अधिक से अधिक लाभान्वित किया जा सकता है इसके बारे में सलाहकार समिति के सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव दिए।

इसके अतिरिक्त जाति प्रमाण पत्र एवं निवास के संबंध में उद्घोषणा, मोची पेटी के वितरण के संबंध में सदस्यों ने सलाह दिए। बैठक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सचिव पी.सी. सार्वा, लिपिक नवीन साहू, सलाहकार समिति के सदस्य व पार्षद कोमल दास टंडन, शकुंतला साहू, ईश्वरी, अभय सोनी एवं के. जगदीश कुमार इत्यादि मौजूद रहे।

नंदिनी रोड का काम शुरू, काम पूरा होने पर हजारों नागरिकों को मिलेगी सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कलेक्टर डॉ. भुरे ने किया निरीक्षण, तेजी से काम पूरा करने दिये निर्देश

अहिवारा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य प्रमुख निर्माण कार्यों का भी किया निरीक्षण

दुर्ग। एसीसी चौक से नंदिनी जाने वाली सड़क का काम शुरू हो चुका है। सड़क की जर्जर स्थिति के चलते मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसके जीर्णोद्धार की घोषणा की थी। सड़क के पूरा होने के पश्चात इस पर गुजरने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे आज सड़क निर्माण का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने एसीसी चौक से नंदिनी रोड तक विभिन्न साइट पर इसका काम

देखा। उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण गुणवत्तापूर्वक और समय पर होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि इस सड़क की मरम्मत की मांग लंबे समय से नागरिकों द्वारा की जा रही थी। 78 करोड़ रुपए इसके निर्माण के लिए स्वीकृत किये गये हैं। इस दौरान सहायक कलेक्टर हेमंत नंदनवार और एसडीएम बृजेश क्षत्रिय भी उपस्थित थे। नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह भी इस अवसर पर उपस्थित थे। कलेक्टर ने अहिवारा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण भी किया। धमधा की तरह अहिवारा के अस्पताल को भी हाईटेक किया जा रहा है। यहां 10 आइसोलेशन वार्ड बनाये जा रहे हैं। इसके साथ ही ओपीडी, फिजियोथैरेपी आदि वार्ड भी बनाये जा रहे हैं। एनआरसी को भी बच्चों की सुविधा के मुताबिक हाइटेक किया जा रहा है। कलेक्टर ने एसडीएम से अस्पताल की व्यवस्था की जानकारी भी ली। एसडीएम ने बताया कि यहां पर सीनियर डाक्टर्स काफी अच्छा कार्य कर रहे हैं। कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल की व्यवस्था बेहतर होनी चाहिए और लगातार मरीजों की इलाज की मानिटरिंग होनी चाहिए। उन्होंने अहिवारा में बनाई जा रही पुष्पवाटिका भी देखी। उन्होंने कहा कि किसी भी गार्डन की सुंदरता उसके पेड़ों से होती है। यहां पर गुलमोहर, चंपा आदि के पेड़ लगाएं। इससे गार्डन की सुंदरता खासी निखर जाएगी। एसडीएम ने बताया कि पुष्पवाटिका का काम 2 एकड़ क्षेत्र में हो रहा है। इसके साथ ही यहां व्यावसायिक काम्पलेक्स भी तैयार किया जा रहा है इसमें 11 दुकानें हैं।

दारगांव में गौठान मेला किया गया आयोजित, 15 हजार रूपए के सामानों का हुआ विक्रय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सुराजी गांव एवं गौधन न्याय योजना के तहत जिला प्रशासन द्वारा शुरू किया गया। गौठान मेला आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गया है। जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण में अपनी महत्वपूर्ण योगदान अदा कर रहा है। जनपद पंचायत धमधा के ग्राम दारगांव के गौठान में गौठान मेला का आयोजन किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य गामीण आजीविका मिशन (बिहान) की महिलाओं के सामग्री विक्रय व प्रदर्शिनी हेतु महिलाओं द्वारा बनाई गई विभिन्न प्रकार की सामग्री आकर्षण का केन्द्र थी।

समूह द्वारा बनाए गए साबुन, फिनाईल, सेनेटाईजर, अगरबत्ती, दोना पत्तल, पापड, बड़ी, आचार, गुपचुप, जैविक चावल, आदि को बिहान मेला में स्टाल लगाकर विक्रय किया गया। इसके साथ ही वर्मी खाद का भी स्टाल लगा कर विक्रय किया गया। जिसे बडी संख्या में आए हुए किसानों के द्वारा खरीदा गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जितेन्द्र साहू (जनपद सदस्य) ने गौठान मेले के उद्देष्यों के बारे में विस्तृत जानकारी उपस्थित ग्रामीणों को दी। महिला स्व सहायता समूह के उत्पादों को देखकर उनकी खुले मन से प्रशंसा की व सभी गौठान समिति, महिला समूहों व ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने कृषि उत्पाद जिसमें हल्दी, धनिया, मिर्च, के फलों को महिला समूहों को दे जिससे वे इन्हे उत्पाद में परिवर्तित कर सकें, और बाजार में उत्पाद लाया जा सकें। कार्यक्रम में श्रीमती भूपेश्वरी रॉव (संरपच) व सभी पंच गण उपस्थित थे व जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा विभिन्न प्रकार के सामग्रियों का विक्रय किया गया। जय मॉ अन्नपूर्णा, सहेली समूह, जय मॉ शीतला समूह, नई किरण ग्राम संगठन, महिला शक्ति ग्राम संगठन, जय मॉ सिद्धी समूह, जय सांई राम समूह, जय माता दी समूह, जय सतनाम समूह, जागृति स्व सहायता समूह, सुख सहेली स्व सहायता समूह, की दीदीयों ने स्टाल लगाया था व लगभग 15520 रूपयें की आमदनी हुई।

दुर्ग विधायक व महापौर, प्रियंका गांधी के साथ यूपी चुनाव प्रचार में हुए शामिल

छत्तीसगढ़ मॉडल की तर्ज पर आगे बढ़ेगा उत्तर प्रदेश : अरूण वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक छत्तीसगढ़ राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश चुनावों में कानपुर केंट विधानसभा के ऑब्ज़र्वर बनाए गए अरुण वोरा एवं निगम महापौर धीरज बाकलीवाल ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव एवं यूपी प्रभारी श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा एवं राष्ट्रीय सचिव रोहित चौधरी एवं सत्यनारायण पटेल के साथ केंट विधानसभा में डोर टू डोर सघन चुनाव प्रचार किया।

प्रियंका गांधी ने जहां कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र का उल्लेख करते हुए घर घर जाकर लोगों को सामाजिक सौहाद्र एवं सतत विकास के लिए कांग्रेस पार्टी को ही विकल्प के रूप में चुनने की अपील की वहीं विधायक वोरा ने कांग्रेस पार्टी की छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए जा रहे जनहितैषी कार्यों के बारे में लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि भूपेश सरकार के छत्तीसगढ़ मॉडल से ही उत्तर प्रदेश की जनता का वास्तविक विकास संभव है।

जिस तरह से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने उच्चतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीदी, नरवा गरुवा बाड़ी योजना से लोगों को सक्षम बनाया जा रहा है, शहरी क्षेत्रों में भी स्वामी आत्मानंद स्कूल, मोहल्ला क्लिनिक, महतारी दुलार जैसी कल्याणकारी योजना सहित अधोसंरचना विकास का काम लगातार जारी है। यूपी की जनता के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कांग्रेस सरकार आवश्यक है।

दुर्ग एसएसपी बीएन मीणा, एएसपी संजय ध्रुव समेत प्रशासनिक अधिकारियों को भोले की बारात का आमंत्रण...

दया सिंह ने कहा आप सबके बगैर संभव नहीं है यह आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रदेश में भिलाई से निकलने वाली भोले बाबा की बारात ने अलग पहचान बनाई है। हर साल इस आयोजन की भव्यता को चार चांद लग रहे हैं। इस साल भी आयोजन समिति बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के पदाधिकारी इसी कोशिश में है कि इस साल के आयोजन की चर्चा पूरे प्रदेशभर में होती रही।

इसके लिए समिति के पदाधिकारी 11 हजार कार्ड बांट रहे हैं। आमंत्रण कार्ड देने का काम शुरू हो गया है। शासन-प्रशासन से जुड़े लोग इसका हिस्सा बन रहे हैं। आयोजन समिति बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के लोगों ने अपनी कमर कस ली है।

आयोजन को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष दया सिंह ने दुर्ग एसएसपी बीएन मीणा, एडिशनल एसपी संजय ध्रुव, सीएसपी भिलाई-दुर्ग समेत एसडीएम व एडीएम को भोले बाबा की बारात के लिए आमंत्रण भेंट किया। सभी अधिकारियों को

खुद दया सिंह ने आमंत्रण कार्ड देकर बाबा की बाराती बनने का आमंत्रण दिया। दया सिंह ने बताया कि, शासन-प्रशासन के सहयोग से हर साल आयोजन भव्य होते जा रहा है। आने वाले दिनों में इसे और बेहतर ढंग से कराने की कोशिश होगी।

दुर्ग रेंज आईजी, कलेक्टर को भी दिया आमंत्रण कार्ड

भोले बाबा की बारात के लिए पहले शासन के लोगों को आमंत्रण कार्ड दिया गया। अब आयोजन समिति के अध्यक्ष दया सिंह आमंत्रण कार्ड जिला और पुलिस प्रशासन को कार्ड दे रहे हैं। बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह ने दुर्ग रेंज आईजी ओपी पाल और दुर्ग कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे से मुलाकात कर भोले बाबा की बारात के लिए आमंत्रण कार्ड सौंपा। दया सिंह के इस आमंत्रण को आईजी और कलेक्टर ने स्वीकारा और उन्होंने कहा है कि वे इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने की पूरी कोशिश करेंगे।

ट्रांसपोर्ट नगर में चल रहे विकास कार्यों की लेटलतीफी से नाराज हुए महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाईतीन। महापौर निर्मल कोसरे ने आज ट्रांसपोर्ट नगर हथखोज का दौरा किया। उन्होंने वहां चल रहे 57 करोड़ के विकास कार्यों का निरीक्षण किया और कार्य में लेट लतीफी के कारण ठेकेदार को जमकर फटकार लगाया श्री कोसरे ने इसके लिए ठेकेदार को नोटिस जारी करने का आदेश निगम के अधिकारियों को दिया। इस दौरान ट्रांसपोर्टरों ने विकास कार्य में बाधित अतिक्रमण को स्वयं हटा लेने का आश्वासन महापौर को दिया।

भिलाई-चरोदा महापौर निर्मल कोसरे पदभार ग्रहण करने के बाद से ही क्षेत्र की जमीनी हकीकत से रूबरू हो रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को उन्होंने निगम क्षेत्र के हथखोज में स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया। उनके साथ निगम आयुक्त कीर्तिमान सिंह राठौर, इंदिरा नगर हथखोज की पार्षद श्रीमती ठामेश्वरी साहू सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी भी शामिल थे। इस समय 57 करोड़ रुपए की लागत से ट्रांसपोर्ट नगर में विकास कार्य चल रहा है।

महापौर निर्मल कोसरे ने चल रहे विकास कार्य की लेट लतीफी पर ठेकेदार को फटकारा और इसके लिए अधिकारियों को शीघ्र नोटिस जारी करने का आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों को कार्य के गुणवत्ता पर ध्यान रखने की भी हिदायत दी। महापौर ने विकास कार्यों में बाधा बन रहे अतिक्रमण को चिन्हित कर तीन दिन के अंदर सभी संबंधितों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। महापौर निर्मल कोसरे ने पहुंचने पर ट्रांसपोर्ट नगर एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्यों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान ट्रांसपोर्टरों ने स्वयं के द्वारा अतिक्रमण हटाने के साथ ही विकास कार्यों में निगम प्रशासन को पूरा सहयोग करने का भरोसा दिया। इस अवसर पर ट्रांसपोर्ट नगर एसोसिएशन के इन्द्रजीत सिंह छोटू, सुखचैन सिंह, गुरजीत सिंह, सुमंत सिंह, सत्येन्द्र शर्मा, खुर्शीद आलम सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950